हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

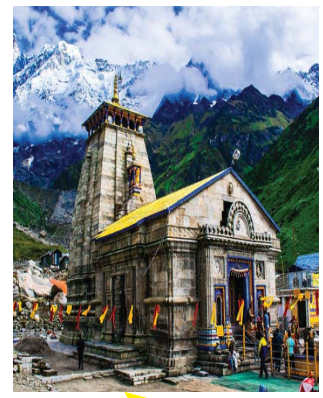

वर्ष:5 अंक:42 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये | pathpravah.com | हरिद्वार, सोमवार, 16 फरवरी 2026

भारत ने पाकिस्तान को आठवीं बार हराया, टी20 वर्ल्ड कप में ईशान की तबाही, फिर गेंदबाजों ने मचाया धमाल

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान को 61 रनों से हरा दिया है. टीम इंडिया के गेंदबाजों ने पाक टीम को 114 रनों पर ढेर कर दिया. कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 175 रन बनाए थे, जवाब में पाक टीम केवल 114 रन ही बना सकी. ईशान किशन ने 77 रनों की मैच विजेता पारी खेली, उसके बाद अक्षर पटेल और अन्य सभी गेंदबाजों ने दमदार प्रदर्शन किया. यह टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में आठवीं बार है जब भारत ने पाकिस्तान टीम को धो डाला. इस मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी. अभिषेक शर्मा बिना खाता खोले आउट हो गए, लेकिन ईशान किशन ने तबाही मचाते हुए तूफानी अर्धशतक लगाया. उन्होंने 40 गेंद में 77 रनों की पारी खेली. वहीं

कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 32 रन, वहीं अंतिम ओवरों में रिंकू सिंह और शिवम दुबे ने तेजतर्रार अंदाज में बैटिंग करते हुए भारत को 170 के पार पहुंचाया.

भारत की कसी हुई गेंदबाजी के आगे पाक बल्लेबाज टिक ही नहीं पाए. पहले ही ओवर में साहिबजादा फरहान को हार्दिक पांडया ने चलता किया. उसके बाद अगले ही ओवर में जसप्रीत बुमराह पाकिस्तानी बल्लेबाजी पर कहर बनकर टूटे. बुमराह ने एक ही ओवर में सैम अयूब और सलमान आगा को आउट करके पाक बल्लेबाजी की कमर तोड़कर रख दी. बाबर आजम ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वो टी20 टीम में जगह के हकदार नहीं हैं. बाबर ने सिर्फ 5 रन बनाए. उस्मान खान ने 44 रन बनाए, वहीं शाहीन अफरीदी 23 रन बनाकर नाबाद लौटे. पाकिस्तान टीम का इतना बुरा हाल रहा कि उस्मान और शाहीन के अलावा पाक टीम का कोई भी बल्लेबाज 20 रनों का आंकड़ा भी नहीं छू पाया.

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने अधिवक्ताओं के नए चैम्बर का किया लोकार्पण

20 नए चैम्बरों हेतु 2.50 करोड़ रुपये देने की घोषणा

पथ प्रवाह, खटीमा

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खटीमा सिविल न्यायालय परिसर में लगभग एक करोड़ रुपये की लागत से अधिवक्ताओं के लिए निर्मित नए चैम्बर का फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर लोकार्पण किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने अधिवक्ताओं को महाशिवरात्रि पर्व एवं नए चैम्बर भवन के निर्माण की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह नव निर्मित चैम्बर अधिवक्ताओं के लिए न्यायिक विमर्श, विधि अध्ययन और परामर्श का महत्वपूर्ण केंद्र सिद्ध होगा, जिससे न्यायिक कार्यों में सुगमता और त्वरितता आएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की न्याय व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और आधुनिक बनाने की दिशा में अनेक ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों के समय से चले आ रहे गैर-जरूरी कानूनों को समाप्त कर वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप भारतीय न्याय संहिता 2023 तथा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 लागू की गई हैं, जिससे न्यायिक प्रणाली अधिक प्रभावी और समयबद्ध बनी है।

उन्होंने कहा कि ई-कोर्ट्स परियोजना, नेशनल ज्यूडिशियल डाटा ग्रिड, फास्ट ट्रैक एवं स्पेशल कोर्ट, महिला एवं बाल अपराधों के लिए त्वरित न्याय तंत्र, ऑनलाइन सुनवाई तथा डिजिटल केस मैनेजमेंट सिस्टम जैसी पहलों ने न्याय प्रक्रिया को अधिक तेज, पारदर्शी और सुरक्षित बनाया है। तकनीक के प्रभावी उपयोग से समय की बचत हुई है और प्रक्रियाएं अधिक वैज्ञानिक एवं प्रामाणिक बनी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देशभर में लगभग सात हजार से अधिक न्यायालय भवनों तथा 11 हजार से अधिक आवासीय इकाइयों का निर्माण किया गया है, जो एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि इसी प्रेरणा से उत्तराखंड में भी न्याय व्यवस्था को आधुनिक स्वरूप देने और विधि शिक्षा को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही उन्होंने आश्वस्त किया कि खटीमा क्षेत्र का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिवक्ताओं की मांग पर 20 अतिरिक्त नए चैम्बर निर्माण हेतु 2 करोड़ 50 लाख रुपये प्रदान करने की घोषणा भी की। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, विधायक गोपाल सिंह राणा, नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, दर्जा मंत्री अनिल कपूर डब्बू, शंकर कोरंगा, जिला जज सिकंद कुमार त्यागी, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति, अपर जिला जज मंजू सिंह मुंडे, अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय, बार एसोसिएशन अध्यक्ष सूरज प्रकाश राणा, सचिव भरत पांडे, अधिवक्ता गोपाल सिंह बिष्ट, के.डी. भट्ट सहित अनेक अधिवक्तागण, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जेतलसर जंक्शन ओवरब्रिज से टकराकर दो टुकड़ों में बंटी स्कोड़ा कार, युवती समेत तीन की दर्दनाक मौत

राजकोट। जिले के जेतपुर में रविवार की सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। जेतलसर जंक्शन रेलवे ओवरब्रिज पर एक तेज रफ्तार स्कोडा कार का इतना भयानक एक्सीडेंट हुआ कि कार के दो टुकड़े हो गए। इस भीषण हादसे में अब तक एक युवती समेत तीन लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि एक युवक का इलाज जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चार युवक-युवती जूनागढ़ में आयोजित महाशिवरात्रि मेले से लौट रहे थे। उनकी स्कोडा कार जैसे ही जेतलसर जंक्शन रेलवे पुल पर पहुंची, चालक का स्टेयरिंग से नियंत्रण हट गया और कार पुल की सुरक्षा दीवार से जोरदार टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के दो हिस्से हो गए और उसके हिस्से सड़क के दोनों ओर जा गिरे। हादसे के बाद कुछ समय के लिए मौके पर ट्रैफिक जाम की स्थिति भी बन गई। इस दर्दनाक दुर्घटना में मुस्कान बगड़ा नामक युवती और अरुण वाला की मौके पर ही मौत

हो गई। वहीं, अमित परमार और जयदीप चौहान को गंभीर हालत में तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। इलाज के दौरान जयदीप चौहान ने भी दम तोड़ दिया, जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर तीन हो गई। हादसे में घायल अमित परमार का इलाज जारी है और उसकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस का काफिला तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गया।

'डिफेंस फोर्सेज के साथ खड़ी सरकार, उठाते रहेंगे जरूरी कदम': पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार (15 फरवरी 2026) को कहा कि उनकी सरकार रक्षा क्षेत्र को मजबूत करने पर जोर दे रही है. एक फरवरी को पेश बजट में भारत ने अपने डिफेंस बजट में 15 फीसदी की बढ़ोतरी की. पीएम मोदी ने कहा कि सरकार डिफेंस फोर्स के साथ मजबूती से खड़ी है और इसे सशक्त और एडवांस बनाने के लिए हर जरूरी कदम उठाएगी. पीएम मोदी ने कहा, 'डिफेंस फोर्सेज में हमारी सरकार का कमिटमेंट है और हमने इसे पूरा करके दिखाया है. न्यूज एजेंसी पीटीआई को दिए इंटरव्यू में पीएम मोदी ने कहा, 'वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए डिफेंस को एडवांस करना हमारी सरकार का कर्तव्य है. यही कारण है कि रक्षा बजट में बढ़ोतरी की गई है.' मौजूदा वित्त वर्ष के लिए भारत सरकार ने रक्षा बजट 6.81

लाख करोड़ रुपया से बढ़ाकर 7.85 लाख करोड़ रुपया कर दिया गया है. पीएम मोदी ने कहा कि उनकी सरकार का कोई भी बजट सामान्य बही खाता दस्तावेज तैयार करने की मानसिकता से नहीं बनाया गया, क्योंकि यह हमारा दृष्टिकोण नहीं है. प्रधानमंत्री ने कुछ साल पहले लाल किले की प्राचीर से की गई 'यही समय है, सही समय है' घोष?णा को याद करते हुए कहा कि उनकी सरकार में 'अब समय आ गया है' की भावना हमेशा से ही मौजूद रही है. उन्होंने कहा, 'लेकिन आज यह भावना एक राष्ट्रीय प्रतिबद्धता और समूचे समाज का संकल्प बन गई है. हमारे राष्ट्र में एक नया आत्मविश्वास पैदा हुआ है.' पीएम मोदी कहा, 'अलग-अलग तरह तरह की चुनौतियों के इस दौर में भी हमारे राष्ट्रीय चरित्र ने अपनी पहचान दिखाई है और हम कठिन वैश्विक परिस्थितियों में भी विकास का एक उज्ज्वल उदाहरण हैं.' उन्होंने कहा, 'हमारे पास एक युवा और कुशल आबादी है और हम कम महंगाई और व्यापक आर्थिक स्थिरता के साथ मजबूत विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं. हमारे युवा अंतरिक्ष, खेल और स्टार्टअप जैसे विविध क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का परिचय दे रहे हैं.'

एक नजर

एसएसपी नवनीत भुल्लर के निर्देश पर जनपद भर में सघन चेकिंग अभियान

संदिग्ध व्यक्ति व वाहनों की हो रही जांच, अपराध पर अंकुश को लेकर पुलिस सख्त

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जनपद में अपराध नियंत्रण एवं कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से हरिद्वार पुलिस द्वारा व्यापक सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर के स्पष्ट निर्देश पर जिले के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस टीमें सक्रिय रूप से संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की जांच कर रही हैं। अभियान के तहत प्रमुख चौराहों, बाजारों, बस अड्डों, रेलवे स्टेशन मार्गों तथा संवेदनशील स्थानों पर बैरियर लगाकर दोपहिया, चारपहिया एवं अन्य वाहनों को रोककर उनकी गहन जांच की जा रही है। पुलिस कर्मियों द्वारा वाहन दस्तावेज, पहचान पत्र तथा संदिग्ध गतिविधियों की पड़ताल की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह अभियान अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने, चोरी, लूट, अवैध हथियार एवं मादक पदार्थों की तस्करी जैसी घटनाओं की रोकथाम तथा असामाजिक तत्वों की पहचान के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। साथ ही बाहरी व्यक्तियों की सत्यापन प्रक्रिया पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। एसएसपी नवनीत सिंह ने निर्देशित किया है कि चेकिंग के दौरान आम नागरिकों को अनावश्यक असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए, लेकिन संदिग्ध गतिविधियों के प्रति पूर्ण सतर्कता बरती जाए। उन्होंने कहा कि जनसहयोग से ही अपराध पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। चेकिंग अभियान के दौरान आम जनता का सकारात्मक सहयोग भी देखने को मिल रहा है। नागरिकों ने पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए इसे सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक कदम बताया है।

शिरडी में साईं बाबा और महादेव की एक साथ पूजा, भक्तों के लिए 13 हज़ार किलो साबूदाने की खिचड़ी

शिरडी। रविवार को महाराष्ट्र समेत पूरे देश में महाशिवरात्रि बड़े उत्साह के साथ मनाई गई। अलग-अलग महादेव मंदिरों में दर्शन के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। वहीं महाराष्ट्र के शिरडी में भी भक्तों की भारी भीड़ देखी गई। महाशिवरात्रि के अवसर पर साईं बाबा के दर्शन के लिए हज़ारों भक्त जमा हुए। साईं बाबा संस्थान की तरफ से साईं बाबा की समाधि के पास देवाधि देव महादेव की तस्वीर लगाई गई है ताकि भक्त साईं बाबा के साथ भोलेनाथ शंकर के भी दर्शन कर सकें। साथ ही शिरडी में बड़ी संख्या में भक्तों के आने की संभावना और व्रत का दिन होने के कारण, साईं बाबा संस्थान के साईं प्रसादालय में 13 हज़ार किलो साबूदाने की खिचड़ी तैयार की गई। शिरडी आने वाले भक्तों को प्रसादालय में दिन भर साबूदाना खिचड़ी और झिरका प्रसाद परोसा जा रहा था। साईं बाबा संस्थान के प्रसादालय में खिचड़ी बनाने के लिए 5,500 किलो साबूदाना, 4,000किलो मूंगफली, 700 लीटर मूंगफली का तेल, 2,000 किलो आलू और 1,200 किलो चीनी, नमक, लाल मिर्च, हरी मिर्च वगैरह का इस्तेमाल किया गया है। इन सभी चीज़ों से कुल 13,000 किलो महाप्रसाद तैयार किया गया और भक्त इसे बड़ी श्रद्धा से खा रहे थे। सबका मालिक एक का महामंत्र देने वाले साईं बाबा के दर्शन के लिए सभी धर्मों के भक्त शिरडी आते हैं। उनमें से ज़्यादातर साईं संस्थान द्वारा चलाए जा रहे प्रसादालय में प्रसाद लेते हैं। आम तौर पर यहां दो सब्ज़ियां, चपाती और वरन-भात परोसा जाता है। वैसे, आषाढ़ी एकादशी और महाशिवरात्रि के दिन व्रत के मौके पर खास साबूदाने की खिचड़ी और झिरकाया प्रसाद चढ़ाने की परंपरा है। साईं प्रसादालय के प्रमुख संजय शिंदे ने कहा, रविवार को शिरडी में करीब 70 हजार भक्तों द्वारा साईं खिचड़ी का लाभ उठाने का अनुमान है।

अमरावती में पांच न्यायाधीशों और चार न्यायालयीन कर्मचारियों के घरों में सेंधमारी

अमरावती। महाराष्ट्र के अमरावती जिला सत्र न्यायलय के पांच न्यायाधीशों और चार न्यायालयीन कर्मचारियों के घरों में चोरों ने सेंध लगाई और चोरी की। चोरों की भी हिम्मत देखिए जो उन्होंने पुलिस की सुरक्षा में न्यायाधीशों की कॉलोनी होने के बावजूद चोरी की वारदात को अंजाम दिया। न्यायाधीशों की कॉलोनी, जो दो हिस्सों में बंटी हुई है, में पांच न्यायाधीश शनिवार और रविवार को लगातार दो दिन की छुट्टी होने की वजह से शहर से बाहर गए हुए थे और उनके घरों में ताला लगा हुआ था। साथ ही, न्यायालयीन कर्मचारियों की कॉलोनी में कुल चार कर्मचारी शहर से बाहर गए हुए थे और उनके घरों में ताला लगा हुआ था। चोरों ने न्यायाधीशों के नल दमयंती के नए फ्लैट में कुल तीन घरों में सेंध लगाई, जबकि इस फ्लैट के बगल में पैनगंगा के फ्लैट में रहने वाले दो न्यायाधीशों के घरों में सेंध लगाई। चोरों ने न्यायाधीशों के नए फ्लैट के पीछे न्यायालयीन कर्मचारियों के कुल तीन इमारतों में स्थित चार फ्लैटों में सेंध लगाई और चोरी की। दिलचस्प बात यह है कि शनिवार और रविवार को छुट्टी होने की वजह से चोरों को अंदाज़ा हो गया होगा कि कॉलोनी में कौन-कौन बाहर गया है और कितने घरों में ताले लगे हैं। उन्होंने पहले ही कॉलोनी की टोह ले ली होगी। सुबह 4 बजे न्यायाधीश कॉलोनी में चोरी की खबर मिलने पर अमरावती पुलिस कमिश्नर राकेश ओला और पुलिस उपायुक्त गणेश शिंदे समेत पुलिस टीम न्यायाधीश कॉलोनी इलाके में पहुंची। फोरेंसिक डिपार्टमेंट के अधिकारी और कर्मचारी भी न्यायाधीशों के घर पहुंचे। पुलिस कमिश्नर ने खुद सुबह आठ बजे तक चोरी वाले हर घर का मुआयना किया। इस दौरान सीसीटीवी भी चेक किए गए, जिसमें सीसीटीवी में चोर दीवार फांदकर अपार्टमेंट के पीछे झाड़ियों से भागते हुए दिखे, ऐसा पुलिस कर्मियों ने कहा। कोर्ट के कर्मचारी आशीष गेडाम, जो वास्तु शांति के लिए अकोला गए थे, को जैसे ही खबर मिली कि उनके घर में सेंधमारी हुई है, वे सुबह 7 बजे की ट्रेन से अमरावती लौट आए। चोर उनके घर में घुसे और बेडरूम में रखी अलमारी तोड़ दी। उन्होंने देखा कि चोरों ने अलमारी के सेफ से तीन से चार हजार रुपये कैश और सोने-चांदी के गहने चुरा लिए हैं।

संघ एक साधना-तपस्या, संघ का उद्देश सत्ता नहीं: जगद्गुरु राजराजेश्वराश्रम

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जगदुरु शंकराचार्य स्वामी राजराजेश्वराश्रम महाराज ने कहा कि संघ को 100 वर्षों में जितना बढ़ाना चाहिए था वह भाजपा की वजह से नहीं बढ़ सका। संघ के विचार को सबसे ज्यादा पलीता भाजपा ही लगा रही है। उन्होंने कहा कि राजनीति तोड़ती है जोड़ती नहीं, सभी राज नेताओं का चल चरित्र एक है।

उन्होंनें कहा कि संघ का स्वयंसेवक भाजपा का गुलाम नहीं है। लोग टिकट के चक्कर में संघ में ना जाए। संघ में जिसने जाना है वह यह सोच कर आये की मुझे अपना जीवन माँ भारती के चरणों में समर्पित करना है। उन्होंने कहा कि संघ के लोगों को भी भाजपा से अपने रिश्तों को लेकर विचार करना चाहिए। संघ एक साधना, तपस्या का कार्य है, ना कि राजनीति का। संघ का उद्देश सत्ता नहीं है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शताब्दी वर्ष कार्यक्रमों की श्रंखला में अनुराग पैलेस में आयोजित दक्षिण हरिद्वार के ज्वालापुर की आर्यनगर बस्ती के हिंदू सम्मेलन की जगदुरु शंकराचार्य स्वामी राजराजेश्वराश्रम महाराज अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हिन्दू सोया हुआ है, निरन्तर हिंदुओं की संख्या घट रही है। इसके लिए कोई और दोषी नहीं बल्कि हमारी पीढ़ी-लिखी पढ़ी है। जहां दूसरे धर्मों में बच्चों को कुदरत की देन कहा जाता है, वहीं सनातन धर्म को मानने वाले अधिक बच्चों की परवरिश की चिंता में निसंतान होते जा रहे है। उन्होंने कहा कि दूसरे धर्मों के बुजुर्ग अपने बच्चों को डरा कर रखते हैं लेकिन हिंदुओं में बच्चे बुजुर्गों पर हावी हैं। उन्होंने कहा कि यदि हिन्दू धर्म परम्पराओं को जीवित रखना है तो अपने परिवार को बढ़ाने पर ध्यान दें। कहा कि सनातन धर्म के लिए सबसे कलंकित बात है कि यहां वृद्ध आश्रम खोले जा रहे हैं।

मुख्य वक्ता आरएसएस के क्षेत्र सह सम्पर्क प्रमुख डॉ. हरीश ने संघ के 100 वर्षों की यात्रा पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि डॉ. कल्पना चौधरी ने संघ शताब्दी वर्ष में चल रहे पंच परिवर्तन नागरिक कार्यव्य, स्वःबोध, समाजिक सद्भाव, कुटुंब प्रबोधन व पर्यावरण संरक्षण इन पांच विचारणीय बिंदुओं को यदि प्रत्येक हिन्दू अपनी जीवन शैली में उतर ले तो हिन्दू हर चुनौती से लड़ सकता है। मंच का संचालन उज्ज्वल पंडित ने किया। इस मौके पर संघ के नगर संचालक एडवोकेट ज्ञानेश ठकराल,प्रान्त सम्पर्क प्रमुख सीए अनिल वर्मा, प्रान्त सामाजिक सद्भावना प्रमुख रमेश उपाध्याय,कार्यक्रम संयोजक सुशील,सह संयोजक सुधीर रुहेला, सत्येंद्र,राजेंद्र,अमरेश, राजेश, सचिव मनोज मास्टर डॉ. अश्वनी,राहुल गोयल आदि मुख्य रूप से शामिल रहे।

जिहादी मानसिकता से लड़ने के लिए हिन्दूओं को रहना होगा सतर्क: अजय कुमार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में दक्षिण हरिद्वार के न्यू सुभाष नगर में साध्वी गंगा दास महाराज की अध्यक्षता में महा शिवरात्रि के पावन पर्व पर शिव संकल्प हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता विश्व हिंदू परिषद के प्रांत संगठन मंत्री अजय कुमार ने कहा कि जिहादी पूरे प्रदेश में बहुत तेजी से गुपचुप तरीके अपनी जड़ें बना रहे है।

उन्होंने कहा कि उत्तरकाशी, पुरोला, चंपावत, पिथौरागढ़ जैसे दूरदराज इलाको में षड्यंत्र के तहत गैर हिन्दू बसाए जा रहे है। उन्होंने कहा कि हिदुओं को सतर्क रहने की जरूरत है, जिहादी मानसिकता के लोग हिन्दू परिवारों में नाम बदलकर घुस रहे है। चुनौतियों से लड़ने के लिए हिंदुओ को एकजुट होकर अपने इतिहास को जनाना होगा। कथा वाचक आचार्य पवन कृष्ण शास्त्री ने हिंदुओं को अपने संस्कारो से जुड़ने की बात कही। संयोजक त्रिलोक भट्ट ने मंच का संचालन किया। इस मौके पर विधायक आदेश चौहान, चेयरमैन राजीव शर्मा, सह-संयोजक मीनाक्षी कपिल, दीपक नेगी, उमेश पाठक, रमेश पाठक, राजकुमार यादव, राधेश्याम कुशवाह, अनिल राणा, अंकित चौधरी, राजेश वरमा, विजय पासवान, लकपत नेगी, उज्ज्वल शर्मा, गौरव कपिल, सचिन शर्मा, धीरज, कैलाशचंद्र, प्रिंस, योगेश, श्रेष्ठ, सरिता नेगी, सरिता, सारिका यादव, संदीप प्रजापति, पवनदीप, सचिन सैनी, हर्षानंद, अम्बुज सैनी एवं नारायण तिवारी आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

एसपी कमलेश उपाध्याय ने विश्वनाथ मन्दिर पहुंचकर लिया व्यवस्थाओं का जायजा

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर श्री काशी विश्वनाथ मन्दिर सहित जनपद के समस्त शिवालयों में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा। सुबह से ही भागीरथी नदी घाटों पर आस्था की डुबकी लगाकर बाबा विश्वनाथ मन्दिर तथा शिवालयों में जलाभिषेक के लिये श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी रही। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी, कमलेश उपाध्याय द्वारा काशी विश्वनाथ मन्दिर पहुंचकर पुलिस एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं को परखा गया। मन्दिर परिसर में ड्यूटीरत पुलिस जवानों को श्रद्धालुओं के साथ सभ्य व्यवहार करने के साथ सभी को कतारबद्ध तरीके से सरल, सुगम तथा व्यवस्थित दर्शन करवाने हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान उनके द्वारा शिव भक्तों को शिवरात्रि की शुभकामनायें देते हुये पुलिस एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया। व्यवस्थाओं को बनाने में पुलिस का सहयोग करने की अपील की गयी। उनके द्वारा शिवरात्रि के पावन अवसर पर बाबा विश्वनाथ मन्दिर में जलाभिषेक तथा पूजा अर्चना भी की गयी। उन्होंने बताया कि महाशिवरात्रि के पावन पर्व को सकुशल एवं सुरक्षित तरीके से सम्पन्न करवाने को लेकर उत्तरकाशी पुलिस मुस्तैद है। जनपद के प्रमुख मंदिरों, शिवालयों एवं संवेदनशील स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनात की गई। मंदिर परिसरों, प्रवेश एवं निकास द्वारों, पार्किंग स्थलों तथा भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष निगरानी एवं सतर्कता बरती गई। सुव्यवस्थित यातायात प्रबंधन के साथ नदी घाटों पर पर्याप्त पुलिस बल के साथ सशस्त्र, फायर एवं अन्य आपदा दल तैनात किया गया। इस दौरान पुलिस उपाधीक्षक उत्तरकाशी जनक सिंह पंवार, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली भावना कैन्थोला, व0उ0नि0 सुखपाल सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

बजट आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को और मजबूत करने वाला: नरेश बंसल

केंद्रीय बजट की प्रमुख योजनाओं और उपलब्धियों पर मीडिया से किया संवाद

पथ प्रवाह, हरिद्वार। देश की केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा लोकसभा में प्रस्तुत किए गए केंद्रीय बजट की महत्वपूर्ण घोषणाओं, जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकासात्मक प्रावधानों की विस्तृत जानकारी आमजन एवं मीडिया प्रतिनिधियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से एक विशेष 'बजट संवाद' प्रेस वार्ता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रेस वार्ता में क्षेत्र के वरिष्ठ जनप्रतिनिधि एवं भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहकर बजट के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा पत्रकारों के प्रश्नों का उत्तर भी दिया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राज्यसभा सांसद नरेश बंसल उपस्थित रहें। उनके साथ रुड़की विधायक प्रदीप बत्रा एवं भारतीय जनता पार्टी की जिला अध्यक्ष डॉ मधु सिंह भी शामिल रही। इस अवसर पर

राज्यसभा सांसद नरेश बंसल ने कहा कि प्रस्तुत केंद्रीय बजट देश की आर्थिक मजबूती, युवाओं के रोजगार, किसानों की आय वृद्धि और महिलाओं के सशक्तिकरण को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि यह बजट आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को और मजबूत करने वाला है तथा इसमें आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य और डिजिटल विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। उन्होंने मीडिया से आग्रह किया कि वे बजट की सकारात्मक जानकारियों को जन-जन तक पहुंचाने में सहयोग करें।

विधायक प्रदीप बत्रा ने अपने वक्तव्य में कहा कि यह बजट मध्यम वर्ग, व्यापारियों एवं आम नागरिकों के लिए राहत देने वाला साबित होगा। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों का सीधा लाभ उत्तराखंड सहित पूरे देश को मिलेगा। उन्होंने कहा कि बजट में स्थानीय विकास, सड़क, परिवहन और शहरी सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। भाजपा जिला अध्यक्ष डॉक्टर मधु सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में प्रस्तुत यह बजट समाज के हर वर्ग को साथ लेकर आगे बढ़ने की सोच को दर्शाता है। उन्होंने इसे 'विकास, विश्वास और अवसर' का बजट बताते हुए कहा कि इससे देश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी और गरीब, किसान, युवा तथा महिलाओं के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आएगा।

इस अवसर पर राज्य मंत्री शोभाराम प्रजापति, भाजपा नेता सुशील त्यागी, जिला महामंत्री सागर गोयल, अक्षय प्रताप सिंह, कार्यक्रम संयोजक जिला उपाध्यक्ष भीम सिंह, सहसंयोजक युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष गौरव कौशिक, जिला उपाध्यक्ष संजीव तोमर, जिला मंत्री सतीश सैनी, मंडल अध्यक्ष सुमित अग्रवाल, डॉ अमन गुप्ता,महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष रोमा सैनी, प्रमोद चौधरी, कार्यालय प्रभारी कदम सिंह आदि भी उपस्थित रहे।

एक नजर

मुर्गा दाना चुराने वाला आरोपी गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। मंगलौर पुलिस ने मुर्गी दाना चुराने वाले शातिर को गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से पुलिस ने चुराया गया मुर्गी दाना भी बरामद करने का दावा किया है। पुलिस के मुताबिक कोतवाली मंगलौर पर वादिया निवासी ग्राम ठसका द्वारा 18 जनवरी को अपने मुर्गी फार्म से 90 कट्टे चिकन फीड (मुर्गी दाना) चोरी होने के संबंध में अभियोग पंजीकृत कराया गया था। मुकदमे से संबंधित आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु प्रभारी निरीक्षक कोतवाली मंगलौर द्वारा पुलिस टीम का गठन कर लगातार प्रयास किए जा रहे थे। इसी क्रम में बीती 13 फरवरी को एक आरोपी को हिरासत में लिया गया। आरोपी की निशानदेही पर लगभग 500 किलोग्राम मुर्गी दाना बरामद किया गया। आरोपी के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी का नाम धर्मवीर पुत्र रतन सिंह, निवासी ग्राम ठसका है।

सोशल मीडिया पर वायरल की थी वीडियो, अवैध बंदूक के साथ पकड़ा गया

पथ प्रवाह, हरिद्वार। सिडकुल थाना पुलिस ने चैकिंग के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को अवैध बंदूक के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा था,? जिसमें वह अवैध बंदूक से हवाई फायर करते दिखायी दे रहा है। आरोपी के कब्जे से एक अवैध बंदूक दो नाली और तीन अदद जिंदा कारतूस 12 बोर बरामद हुए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद हरिद्वार के आदेशानुसार थाना सिडकुल क्षेत्रांतर्गत संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनों की चैकिंग की कार्रवाई पुलिस द्वारा की जा रही थी। पुलिस टीम ने चैंकिंग/गश्त के दौरान आरोपी मनजीत पुत्र आलम सिंह निवासी टीरा टोंगिया थाना सिडकुल जनपद हरिद्वार को पतंजलि विश्वविद्यालय से आगे जंगल की ओर से 1 अवैध अवैध बंदूक दो नाली और 3 जिंदा कारतूस 12 बोर के साथ धर दबोचा। आरोपी के विरुद्ध थाना हाजा पर आर्म्स एक्ट में अभियोग पंजीकृत किया गया।

एसएसपी ने किया पुलिस लाइन परिसर का निरीक्षण

पथ प्रवाह, हरिद्वार। नवनियुक्त एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने रविवार सुबह पुलिस लाइन रोशनाबाद क्वार्टर गार्ड पहुंचकर पुलिस लाइन परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पुलिस कर्मचारी बैरक का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने कहा कि पुलिस कर्मियों को पुलिस लाइन परिसर में किसी तरह की असुविधा नहीं होनी चाहिए। परिसर और बैरक में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए। जो भी कमियां है उन्हें समय से दूर करने का प्रयास करें।

आज गाजीवाली में होगा मुख्य सेवक का जन चौपाल कार्यक्रम, रणनीति हुई तैयार

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

भारतीय जनता पार्टी जिला हरिद्वार के जिला पदाधिकारियों की बैठक जिला कार्यालय जगजीतपुर में की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष आशुतोष शर्मा ने की। जिलाध्यक्ष ने बताया कि उत्तराखंड के यशस्वी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी निरंतर जनता के बीच में रहकर जनता की समस्याओं का निराकरण करते हैं। इसी क्रम में आज (16 फरवरी) शाम 4 बजे बजे वह हरिद्वार ग्रामीण विधानसभा के ग्राम आर्य नगर (गाजीवाली) में मुख्य सेवक की जन चौपाल कार्यक्रम में उपस्थित रहकर जन समस्याओं की सुनवाई और जन संवाद करेंगे। इस दौरान जनता की समस्याओं का समाधान मुख्यमंत्री द्वारा किया जाएगा। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से जनता को मुख्य सेवक की जन चौपाल कार्यक्रम के बारे में जानकारी देने को कहा। जिससे उनकी जन समस्याओं का समाधान हो सके। इस अवसर पर जिला महामंत्री हीरा सिंह बिष्ट एवं संजीव चौधरी द्वारा बताया गया कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उत्तराखंड नित्य नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। मुख्यमंत्री स्वयं जनता के बीच जाकर प्रदेशवासियों की समस्याओं का निराकरण कर रहे हैं। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष लव शर्मा, आशु चौधरी, तरुण नय्यर, निपेंद्र चौधरी, अभिनव चौहान, रितु ठाकुर, जिला मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र सिंह चौहान, संजीव कुमार, नकली राम सैनी, एजाज अहमद साहित जिला पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के बिजली चोरी पर जीरो टॉलरेंस की नीति की हरिद्वार में उड़ी धज्जियां

अवैध बस्तियों और दुकानों में कटिया से बिजली चोरी, लाखों का नुकसान

पथ प्रवाह, हरिद्वार

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के बिजली चोरी पर जीरो टॉलरेंस की नीति की हरिद्वार में धज्जियां उड़ रही है। हरिद्वार के रोड़ीबेलवाला, पंतद्वीप पार्किंग, चमगादड़ टापू, लक्कड़ बस्ती और तमाम इलाकों में कटिया डालकर बड़े स्तर पर बिजली चोरी की जा रही है। बिजली विभाग के अधिकारी इन अवैध तरीके से कब्जेधारियों पर मुकदमा तक दर्ज नही कर पा रहे है। नगर निगम और सिंचाई विभाग की जमीनों में अवैध तरीके से लगी दुकाने चोरी की बिजली से रोशन हो रही है। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने अतिक्रमण के खिलाफ सख्त अभियान चलाने के निर्देश दिए है। स्वयं अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कार्रवाई की है। जबकि ऊर्जा निगम के अधिकारी अतिक्रमणकारियों की बिजली चोरी पकड़ने के लिए अभियान चला कर कार्रवाई कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर हरिद्वार में हरकी पैडी के नजदीक हाथी पुल के पास सजी अवैध दुकानों पर अवैध रूप से इस्तेमाल हो रही बिजली चोरी अभियान पर सवाल खड़े कर रही है। हरिद्वार में गंगा किनारे हाथी पुल के पास बनी अवैध फड और दुकानों पर ही नहीं ये बिजली चोरी पंतद्वीप, बैरागी कैंप आदि में भी बतायी जा रही है। लोगों

का कहना है कि बिजली विभाग के कर्मचारी ही मिलीभगत कर अवैध रूप से बिजली उपलब्ध करा रहे हैं। बताया जा रहा है कि एक दुकानदार से तीन सौ रुपये महीना लेकर बिजली उपलब्ध करायी जा रही है। ये हाल तब है जब प्रशासन और मेला प्रशासन के अलावा अन्य विभाग संयुक्त अभियान चलाकर अतिक्रमण और अवैध कब्जों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कह रहे हैं। बिजली विभाग भी अभियान चलाकर बिजली चोरी पकड़ रहा है। लेकिन जिस तरह से अवैध फड़, दुकानों में कटिया कनेक्शन से बिजली चोरी हो रही है उससे सवाल उठना लाजमी है। रोड़ीबेलवाला क्षेत्र के जेई से बिजली चोरी के संबंध में जानकारी की तो बताया कि पैनल लॉक किए गए है। जिसके चलते ?बिजली चोरी होने का तो सवाल ही नही उठता है। जिन स्थानों की वीडियो वायरल की जा रही है। यह नगर निगम की स्ट्रीट लाइट और एचआरडीए की लाइटों से है।

अवैध दुकानों के नही स्थायी पते

मजेदार बात यह है कि हरिद्वार में तमाम अवैध दुकान चलाने वालों के कोई स्थायी पते नही है। जिसके चलते इनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की कोई कार्रवाई नही हो पाई। पूर्व में कई बार पुलिस को शिकायत दी जा चुकी है।

तीन साल की सजा का है प्रावधान

बिजली चोरी पकड़े जाने पर (धारा 135) के तहत कार्रवाई की जाती है, जिसमें 3 साल तक की जेल या चोरी की गई राशि का तीन गुना जुर्माना हो सकता है। ऊर्जा निगम द्वारा बकायेदारों के खिलाफ भी अभियान चलाकर बिजली के बिल वसूल कर रही है और बिल जमा न करने वालों के कनेक्शन काटे जा रहे हैं।

भारत से विदेशी पोर्टफोलियो इन्वेस्टर क्यों निकाल रहे हैं पैसा?

आप सांसद राघव चड्ढा ने सरकार से पूछा सवाल

नई दिल्ली। बजट 2026 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) और भारत के बाहर रहने वाले लोगों (पीआरओआई) के लिए भारतीय कंपनियों में इक्विटी निवेश की सीमा बढ़ाने की घोषणा की। व्यक्तिगत निवेश सीमा 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत और सभी पीआरओआई के लिए कुल सीमा 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 24 प्रतिशत कर दी गई है। सरकार का उद्देश्य विदेशी पूंजी प्रवाह को प्रोत्साहित करना है। इस पहल का स्वागत करते हुए आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद राघव चड्ढा ने सरकार से अहम सवाल भी पूछे हैं। उन्होंने पूछा कि जब एनआरआई निवेश सीमा बढ़ाई जा रही है, तब विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफआईआईद्ध) और अन्य विदेशी निवेशक भारत से पैसा क्यों निकाल रहे हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर राघव चड्ढा ने संसद में बजट पर दिए गए अपने भाषण का वीडियो भी साझा किया और कहा, कि एनआरआई निवेश सीमा बढ़ाने से 'डायस्पोरा कैपिटल' को प्रोत्साहन मिलेगा और करीब 3.2 करोड़ एनआरआई को निवेश का अवसर मिलेगा।

संपादकीय

सुसाइड नोट नहीं, समाज के नाम चेतावनी

'मैं फेलियर हूँ... माफ करना पापा...' – किसी बच्चे के सुसाइड नोट में लिखी ये पंक्तियाँ केवल कागज़ पर उतरे शब्द नहीं, बल्कि हमारे समय की त्रासदी का बयान हैं। यह एक परिवार का दर्द भर नहीं, बल्कि उस सामाजिक दबाव की परतें खोलती हैं, जिसे हम अनजाने में अपने बच्चों के मन पर लाद देते हैं।

आज सफलता को ही जीवन का अंतिम सत्य बना दिया गया है। परीक्षा के अंक, प्रतियोगी परीक्षाएँ, करियर की दौड़ और तुलना की आदत–इन सबने बचपन की सहजता छीन ली है। असफलता को सीख नहीं, शर्म की तरह प्रस्तुत किया जाता है। ऐसे माहौल में जब कोई बच्चा खुद को 'फेलियर' लिखता है, तो असल में वह समाज के कठोर मानकों के सामने खुद को तौल रहा होता है।

हम अक्सर प्रेरक उदाहरण देते हैं। A. P. J. Abdul Kalam को शुरुआती असफलताओं का सामना करना पड़ा, Amitabh Bachchan को करियर के आरंभिक दौर में कई बार अस्वीकृति मिली। लेकिन फर्क यह है कि उन्हें संभालने वाला परिवेश मिला। सवाल यह है– क्या हम अपने बच्चों को वही सहारा दे पा रहे हैं?

माता-पिता की अपेक्षाएँ स्वाभाविक हैं, पर जब अपेक्षा संवाद पर भारी पड़ जाए, तो बच्चा अकेला पड़ जाता है। 'लोग क्या कहेंगे' का भय कई बार 'तुम कैसे हो' जैसे सरल सवाल पर हावी हो जाता है। बच्चों को उपदेश नहीं, विश्वास चाहिए; तुलना नहीं, समझ चाहिए।

स्कूलों और परिवारों में मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बातचीत की जरूरत है। काउंसलिंग, भावनात्मक शिक्षा और संवेदनशील शिक्षक–ये अब विलासिता नहीं, आवश्यकता हैं। बच्चों को यह सिखाना होगा कि हार जीवन का अंत नहीं, अनुभव की शुरुआत है। गिरना कमजोरी नहीं, उठने की प्रक्रिया है। किसी भी सुसाइड नोट को सनसनी की तरह नहीं, चेतावनी की तरह पढ़ा जाना चाहिए। यह हमें याद दिलाता है कि अंक और उपलब्धियाँ जीवन से बड़ी नहीं होतीं। हर बच्चा अपने परिणाम से पहले, अपने अस्तित्व के कारण मूल्यवान है। समय आ गया है कि हम सफलता की परिभाषा बदलें–बच्चों को केवल सफल नहीं, मानसिक रूप से मजबूत और भावनात्मक रूप से सुरक्षित बनाएं। क्योंकि एक जीवन की कीमत किसी भी रिपोर्ट कार्ड से कहीं अधिक है।

अमेरिका-भारत में संविधान और लोकतंत्र के नये मानक?

विश्व के दो सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश अमेरिका और भारत आज केवल राजनीतिक एवं व्यापारिक साझेदार नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों को नये तरीके से परिभाषित करने के केंद्र बन रहे हैं। इस कारण अमेरिका और भारत की संघीय लोकतांत्रिक एवं प्रशासकीय व्यवस्था को लेकर बड़े सवाल उठने लगे हैं। बदलते वैश्विक परिदृश्य में तकनीकी क्रांति, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और सामाजिक विविधताओं के बीच इन दोनों देशों ने संविधान और लोकतंत्र की नई व्याख्या करने की शुरुआत कर दी है, जो शासक आधारित है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सत्ता का विकेंद्रीकरण एवं जवाबदेही तय होती है। भारत में पिछले कई वर्षों से सत्ता का केंद्रीकरण होता जा रहा है। अमेरिका में भी दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद से डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से निर्णय ले रहे हैं, उससे भी शासन व्यवस्था में ट्रम्प का एकाधिकार अमेरिका में बढ़ता जा रहा है। अमेरिका के जो राज्य हैं, उनकी दूरी केंद्रीय सत्ता से बढ़ती चली जा रही है। नई व्याख्या परंपरागत मूल्यों को बनाए रखते हुए समयानुकूल बदलाव के लिए लोकतांत्रिक पद्धति एवं सत्ता का विकेंद्रीकरण पूर्व की तरह बना रहेगा, तभी लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं मजबूत रहेंगी। भारत का संविधान विविधता में एकता का प्रतीक है। भारत में विभिन्न भाषा, धर्म, संस्कृति और परंपराओं की असंख्य धाराएँ संविधान एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया में समाहित हैं। वहीं अमेरिका का संविधान व्यक्तिगत स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की आज़ादी, मानव अधिकारों की रक्षा एवं संघीय व्यवस्था प्रदान करता है। दोनों देशों ने अपने-अपने ऐतिहासिक अनुभवों से लोकतंत्र को मजबूत किया था। अमेरिका ने स्वतंत्रता संग्राम और नागरिक अधिकार आंदोलनों से, वहीं भारत ने स्वतंत्रता आंदोलन और सामाजिक न्याय के लिए भारतीय संविधान तैयार किया था। भारतीय संविधान ने लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं और न्यायिक तंत्र को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज विश्व में लोकतांत्रिक मूल्यों को लेकर कई चुनौतियों का सामना अमेरिका और भारत दोनों को ही करना पड़ रहा है। चाहे वह, सत्ता के केंद्रीयकरण का मामला हो या फेक न्यूज़ का प्रसार हो। वैधानिक संस्थाओं पर सत्ता का बढ़ता दबाव लोकतंत्र और न्याय तंत्र दोनों को ही प्रभावित कर रहा है। मानव अधिकारों को लेकर वह स्वतंत्रता अब नहीं मिलती, जैसे कुछ समय पहले देखने को मिलती थी। ऐसे समय में भारत और अमेरिका में सत्ता पक्ष द्वारा लोकतंत्र को नए सिरे से परिभाषित किया जा रहा है। यह परिभाषा केवल चुनावी प्रक्रिया और सत्ता तक सीमित नहीं है। अमेरिका और भारत में शासन व्यवस्था की पारदर्शिता, जवाबदेही, डिजिटल अधिकारों और नागरिक अधिकारों को लेकर तनाव के दौर से गुजर रहा है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह कहा जा रहा है, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका मे जो निर्णय ले रहे हैं, उनमें वे अमेरिकन कानूनो को नजर अंदाज कर रहे हैं। राज्य और केंद्र के बीच में भी मतभेद बढ़ते चले जा रहे हैं। यही स्थिति भारत में भी देखने को मिल रही है। डिजिटल युग में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच संतुलन एक बड़ी चुनौती है। भारत और अमेरिका दोनों ने तकनीकी कंपनियों के नियमन, डेटा सुरक्षा और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में ट्रेड डील के माध्यम से नई पहल की है। इससे स्पष्ट है, वैश्विक व्यापार संधि के बाद जिस तरह के वैश्विक नियम और कानून बनाए गए थे उनसे हटकर अमेरिका अपने व्यापारिक समझौते करना चाहता है। भारत एवं अन्य देशों पर अमेरिका जो दबाव बना रहा है, उसके कारण वैश्विक स्तर पर अभी तक जो डॉलर की स्वीकार्यता थी, वैश्विक व्यापार में अमेरिका और डॉलर का जो वर्चस्व था, अब उसे चुनौती मिलना शुरू हो गई है। जिसके कारण संपूर्ण दुनिया के देशों में लोकतंत्र और तानाशाही व्यवस्था को लेकर चर्चा होने लगी है। लोकतंत्र अब केवल संसद, सरकार, कार्यपालिका और न्यायालय तक सीमित नहीं रहा। संविधान की भावना मानव अधिकार और लोकतांत्रिक व्यवस्था को डिजिटल तकनीकि के साथ जवाबदेही तय करना समय की मांग बन चुकी है। वर्तमान संदर्भ में सामाजिक न्याय और समान अवसर को लेकर लोकतंत्र की नई परिभाषा में बदलाव की जरूरत है। अमेरिका में नस्लीय समानता और भारत में सामाजिक भाषा एवं धार्मिक समावेश में संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक अधिकार में सभी को समान अवसर और गरिमा सुनिश्चित करने कुछ बदलाव जरूरी हैं। पिछले कुछ वर्षों से सत्ता पाने के लिये अमेरिका और भारत में धार्मिक ध्रुवीकरण बढ़ता जा रहा है। उसके कारण लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को अपने-अपने ढंग से ढालने के जो प्रयास हो रहे हैं, वह लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं मानव अधिकारों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत और अमेरिका की भूमिका महत्वपूर्ण है। इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सहयोग, वैश्विक शांति, सामाजिक सोहार्द्र, धार्मिक और आर्थिक स्थिरता के प्रयास, लोकतंत्र की वैश्विक जिम्मेदारी का प्रतीक है। अमेरिका के खिलाफ वैश्विक स्तर पर जिस तरह का विरोध पनप रहा है। उसने कई तरह की चुनौतियां पैदा कर दी हैं।

बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन की वैचारिक क्रांति

ललित गर्ग

बांग्लादेश की राजनीति एक बार फिर इतिहास के मोड़ पर खड़ी है। लगभग दो दशकों के लंबे अंतराल के बाद यदि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में लौटती है और तारिक रहमान प्रधानमंत्री पद की दावेदारी तक पहुंचते हैं, तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक दिशा परिवर्तन का संकेत होगा। 299 सीटों में से 212 पर विजय का दावा इस बात का प्रमाण है कि मतदाता लंबे समय से चली आ रही अस्थिरता, अंतरिम व्यवस्थाओं और वैचारिक ध्रुवीकरण से बाहर निकलकर एक निर्णायक जनादेश देना चाहता है। छात्र आंदोलन से उपजी नेशनल सिटीजन पार्टी का मात्र छह सीटों पर सिमटना भी इस तथ्य को पुष्ट करता है कि जनभावना प्रयोगधर्मिता से आगे बढ़कर स्थायित्व की ओर झुक रही है। लगभग अठारह महीने से चल रही अंतरिम व्यवस्था के अवसान के साथ बांग्लादेश एक नए अध्याय में प्रवेश करने जा रहा है, पर प्रश्न यह है कि यह अध्याय उदार लोकतंत्र का होगा या किसी नए प्रकार के वैचारिक वर्चस्व का?

बांग्लादेश का इतिहास संघर्ष, त्याग और पहचान की जिजीविषा से निर्मित हुआ है। 1971 के मुक्ति संग्राम में भारत की निर्णायक भूमिका केवल सैन्य सहायता तक सीमित नहीं थी, वह सांस्कृतिक और मानवीय सहयोग का भी प्रतीक थी। परंतु पिछले कुछ वर्षों में राजनीतिक ध्रुवीकरण, कट्टरवादी विमर्श और बाहरी प्रभावों ने उस ऐतिहासिक आत्मीयता पर धुंध डालने का प्रयास किया। अंतरिम सरकार के दौरान जिस प्रकार वैचारिक कठोरता और प्रशासनिक असमंजस दिखा, उसने अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने दोनों को प्रभावित किया। ऐसे समय में स्पष्ट जनादेश को स्थिरता का अवसर माना जा सकता है, बशर्ते सत्ता इसे प्रतिशोध का माध्यम न बनाए, बल्कि पुनर्निर्माण का औजार बनाए।

तारिक रहमान के सामने सबसे बड़ी चुनौती सांप्रदायिक सौहार्द की पुनर्स्थापना होगी। बांग्लादेश का सामाजिक ढांचा बहुलतावादी है, वहां अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा और सम्मान केवल नैतिक दायित्व नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विश्वसनीयता की कसौटी है। यदि नई सरकार कट्टरवाद से दूरी बनाकर विकासोन्मुखी एजेंडा अपनाती है, तो वह न केवल आंतरिक स्थिरता ला सकती है, बल्कि दक्षिण एशिया में एक सकारात्मक उदाहरण भी प्रस्तुत कर सकती है। पर यदि चुनावी विजय को वैचारिक वर्चस्व के रूप में प्रस्तुत किया गया, तो यह जनादेश अवसर से अधिक संकट में बदल सकता है।

आर्थिक मोर्चे पर बांग्लादेश ने पिछले दशक में उल्लेखनीय प्रगति की थी। वस्त्र उद्योग, निर्यात वृद्धि और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में उसने मिसाल कायम की। किंतु राजनीतिक अस्थिरता और नीतिगत अनिश्चितता ने निवेशकों के विश्वास को झटका दिया। अब नई सरकार के लिए यह अनिवार्य है कि वह आर्थिक सुधारों को गति दे, रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करे और विदेशी निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बनाए। विकास की 'नई गंगा' तभी बहेगी जब शासन पारदर्शी, जवाबदेह और समावेशी होगा। केवल नारे या राष्ट्रवाद की तीखी ध्वनियां आर्थिक संकट का समाधान नहीं बन सकतीं। भारत-बांग्लादेश संबंध इस चुनाव के सबसे महत्वपूर्ण आयामों में से एक हैं। दोनों देशों के बीच साझा इतिहास, सांस्कृतिक निकटता और आर्थिक परस्परता है। सीमा प्रबंधन, जल बंटवारा, व्यापार और सुरक्षा सहयोग जैसे मुद्दे परस्पर विश्वास से ही सुलझ सकते हैं। हाल के वर्षों में पाकिस्तान के साथ बढ़ती निकटता और भारत के प्रति संदेहपूर्ण बयानबाजी ने संबंधों में अनावश्यक तनाव पैदा किया। यदि नई सरकार क्षेत्रीय संतुलन की नीति अपनाते हुए भारत के साथ सौहार्दपूर्ण संवाद पुनः स्थापित करती है, तो यह दोनों देशों के हित में होगा। भारत ने बांग्लादेश के निर्माण और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, उस ऐतिहासिक साझेदारी को भावनात्मक नहीं, व्यावहारिक आधार पर पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है।

यह भी ध्यान रखना होगा कि दक्षिण एशिया की राजनीति अब केवल द्विपक्षीय समीकरणों तक सीमित नहीं है। चीन की बढ़ती उपस्थिति, अमेरिका की रणनीतिक रुचि और पाकिस्तान की पारंपरिक भूमिका-इन सबके बीच बांग्लादेश को संतुलित कूटनीति अपनानी होगी। यदि नई सरकार वैचारिक आग्रहों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखती है, तो वह क्षेत्रीय शक्ति संतुलन में एक परिपक्व भूमिका निभा सकती है। परंतु यदि विदेश नीति घरेलू राजनीति का विस्तार बन गई, तो अस्थिरता का चक्र फिर दोहराया जा सकता है।

इस चुनाव का एक और महत्वपूर्ण संकेत यह है कि बांग्लादेश का मतदाता अब निर्णायकता चाहता है। लंबे समय तक आंदोलन, विरोध और अंतरिम प्रयोगों से थका समाज स्थिर शासन की आकांक्षा रखता है। किंतु स्थिरता केवल बहुमत से नहीं आतीय वह संस्थाओं की मजबूती, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और मीडिया की स्वायत्तता से आती है। नई सरकार को यह समझना होगा कि लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का नाम नहीं, बल्कि असहमति को सम्मान देने की संस्कृति का नाम है। यदि विपक्ष को हाशिये पर धकेला गया या आलोचना को देशविरोध का रूप दिया गया, तो लोकतांत्रिक ऊर्जा क्षीण हो जाएगी।

बांग्लादेश के लिए यह क्षण आत्ममंथन का भी है। क्या वह अपनी पहचान को केवल धार्मिक राष्ट्रवाद तक सीमित करेगा, या भाषा, संस्कृति और बहुलता की उस विरासत को आगे बढ़ाएगा जिसने उसे जन्म दिया? मुक्ति संग्राम की मूल भावना सामाजिक न्याय और समान अवसर की थी। यदि नई सत्ता उस भावना को पुनर्जीवित करती है, तो यह जनादेश ऐतिहासिक सिद्ध होगा। अन्यथा यह अवसर भी इतिहास की एक और चूकी हुई संभावना बन सकता है।

जवानों के हाथ में बंदूक की बजाए ब्रश

मुस्ताअली बोहरा

पुलिस का कोई जवान दीवार पर पुताई कर रहा है तो हॉक फोर्स के किसी जवान के हाथ में प्लास्टर करने वाली करनी है। जो अफसर नक्सलियों की घेराबंदी करने और काउंटर फायर का हुक्म देते थे वो अपने उन्हीं जवानों को पेयजल लाईन दुरुस्त करने, मिस्त्री से ठीक से काम करवाने की समझाइश देते दिखते हैं। जी हां.....ये नजारा मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले के नक्सल प्रभावित रहे गांवों के सरकारी स्कूलों का है। उकवा, बैहर, लांजी, किरनापुर आदि क्षेत्रों के नक्सलप्रभावित रहे गांवों में स्थित सरकारी स्कूलों की हालत बद से बदतर हो गई है। नक्सलियों के भय से यहां ना तो निर्माण कार्य हो रहे थे और ना ही पुराने स्कूलों की मरम्मत हो पा रही थी। बड़ी मुश्किल से शिक्षक पहुंचते थे और शिक्षक आ भी गए थे बच्चे नहीं आते थे। मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले के माथे से नक्सलियों का कलंक मिटते ही पुलिस कप्तान आदित्य मिश्रा ने सुदूर गांवों के सरकारी स्कूलों के मरम्मत का बीड़ा उठाया है। उन्होंने इसके लिए जिले के उद्योगपति, डॉक्टर, शिक्षाविद, बिल्डर्स और अन्य प्रतिष्ठित लोगों का सहयोग लिया है। ऐसे लोगों ने अपनी आर्थिक क्षमता के अनुसार स्कूलों को गोद लिया है। यानि स्कूल में आने वाले खर्च गोद लेने वाला उठाएगा। बताया जा रहा है कि एक स्कूल की मरम्मत के लिए करीब सवा लाख रुपये का खर्च आ रहा है। निगरानी, देख रेख का काम पुलिस विभाग के अधिकारी कर रहे हैं। इस काम में पुलिस विभाग और हॉक फोर्स के जवान भी श्रमदान कर रहे हैं। बालाघाट की इस पहल को यदि पूरे मध्यप्रदेश में अमलीजामा पहनाया जाए तो जर्जर स्कूल भवनों की हालत सुधर जाएगी। और ना सिर्फ मध्यप्रदेश बल्कि देश भर में इस पहल से शिक्षा के क्षेत्र में नई क्रांति आ सकती है।

मध्य प्रदेश का बाालाघाट जिला कभी नक्सलियों की आरामगाह या पनाहगाह रहा है। इस जिले की सीमाएं छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र से लगती हैं। यही वजह है कि नक्सली जब भी सीमावर्ती राज्यों में कहीं किसी बड़ी घटना को अंजाम देते तो वो बालाघाट के जंगलों में आकर छिप जाते थे। वो यहां खुद को महफूज समझते थे। यहां छिपने और आराम करने के अलावा नक्सली बांस कूप, बांस डिपो, महाराष्ट्र सरकार की यात्री बस जलाने, निर्माण कार्य में लगे डम्पर जलाने,पुलिस जवानों पर गोली बारी करने, लैंड माईन बिछाकर विस्फोट करने, पुलिस मुखबिरी के शक में गांव वालों की हत्या करने सहित दर्जनों वारदातों को अंजाम दे चुके हैं। बालाघाट जिला तब राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आया था जब तत्कालीन वन एवं परिवहन मंत्री लिखीराम कावरे की उनके घर में नक्सलियों ने हत्या कर दी थी। उस वक्त मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह थे। नक्सल उन्मूलन के दौरान कई बार पुलिस जवानों और माओवादियों के बीच कई मर्तबा एनकाउंटर हुए। दर्जनों बार तो नक्सली घने जंगलों की आड़ लेकर भाग खड़े हुए। खैर साढ़े तीन दशक बाद बालाघाट जिला नक्सलमुक्त घोषित हो गया लेकिन नक्सलप्रभावित रहे सुदूर गांवों में विकास करना, जरूरी निर्माण कार्य कराना, बिजली-पानी-सड़क जैसी बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराना अभी भी चुनौती है। उम्मीद तो यही की जा रही है कि अब आदिवासी ग्रामीण अंचलों में तेजी से विकास कार्य होंगे।

बालाघाट मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र की सीमाओं पर स्थित है। यहां नक्सलउन्मूलन के लिए नक्सल ऑपरेशनों के लिए एमपी पुलिस ने डीआरजी और हॉक फोर्स का गठन किया गया। हॉक फोर्स का मुख्यालय भोपाल से बालाघाट के कनकी में शिफ्ट किया गया। डीआरजी, हॉक फोर्स, सीआरपीएफ और कोबरा फोर्स की नक्सलियों के खात्मे में अहम भूमिका रही। दशकों से बालाघाट में जमे नक्सलियों पर नकेल लगाना इतना भी आसान नहीं था। अव्वल तो ये जिला घने जंगलों, पहाड़ों और दर्रों से घिरा हुआ है। दूसरा, इसकी सीमाएं छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र से लगती हैं।

नक्सल उन्मूलन के लिए सुरक्षाबलों द्वारा एक साल में दो हजार से ज्यादा सर्चिंग ऑपरेशन चलाए गए। एमएमसी जोन में सबसे ज्यादा हैं। वहीं छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव और खैरागढ़ में ढाई सौ से ज्यादा और महाराष्ट्र के गोंदिया में डेढ़ दर्जन से ज्यादा ऑपरेशन चलाए गए। जब मध्यप्रदेश में सर्चिंग तेज होती तो नक्सली छत्तीसगढ़ या महाराष्ट्र के सीमावर्ती इलाकों में भाग जाते और जब वहां सर्चिंग तेज होती तो वो बालाघाट आ जाते। जब सुरक्षा बलों ने नक्सलियों को उनके ही क्षेत्र में घेर लिया तो उनके सामने सरेंडर करने या जान देने के अलावा कोई विकल्प ही नहीं बचा। जब नक्सली, पुलिस का गोली का शिकार बनने लगे तो आत्मसमर्पण करने का सिलसिला तेज हो गया। कभी बालाघाट तो कभी छग में नक्सली आत्मसमर्पण करने लगे। करीब साढ़े तीन दशकों तक बालाघाट जिले सहित सीमावर्ती जिलों में दहशत फैलाने वाले नक्सल संगठन का पूरी तरह खात्मा हो गया। दरअसल, भारत में नक्सलवाद के जड़ से खात्मे की डेडलाइन 31 मार्च 2025 है, जबकि मध्य प्रदेश ने नक्सल मुक्त होने का लक्ष्य 26 जनवरी 2026 था। निर्धारित समय से पहले ही 11 दिसंबर 2025 को एमएमसी जोन के अंतिम सक्रिय नक्सली दीपक उर्फ सुधाकर और रोहित उर्फ मंगलू ने बालाघाट में सरेंडर कर दिया। 56 वर्षीय दीपक बालाघाट के पालाघोंदी और 36 वर्षीय रोहित बीजापुर (छत्तीसगढ़) के फतेनार का रहने वाला है। इनके सरेंडर के बाद सीएम डॉ. मोहन यादव ने एमपी के नक्सल मुक्त होने की घोषणा की।

यहां बता दें कि बालाघाट जिले में साल 1990 में नक्सलियों ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई थी। इसके बाद माओवादियों की दहशत बढ़ती गई। साल 1991 में नक्सलियों ने थाना बहेला क्षेत्रान्तर्गत सीतापाला में ब्लास्ट किया था इसमें 9 पुलिसकर्मी शहीद हो गए थे। बालाघाट जिले के सीतापाला थाना में नक्सलियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई थी। इसके बाद नक्सलवाद बालाघाट से मंडला और डिंडोरी तक फैल गया। मालूम हो कि नक्सल विरोधी अभियान में 38 पुलिसकर्मी शहीद हुए।

डीजीपी दीपम सेठ के निर्देशों पर उत्तराखंड में व्यापक सत्यापन अभियान शुरू

थाना स्तर से लेकर आईजी रेंज तक सख्त मॉनिटरिंग, महिलाओं व वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

पथ प्रवाह, देहरादून।

उत्तराखंड में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा संदिग्ध व्यक्तियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से पुलिस मुख्यालय ने प्रदेशव्यापी सघन सत्यापन अभियान प्रारंभ कर दिया है। दीपम सेठ, पुलिस महानिदेशक, उत्तराखंड के निर्देशानुसार यह अभियान राज्य के सभी जनपदों में सर्किल, थाना एवं चौकी स्तर पर संचालित किया जाएगा।

डीजीपी ने निर्देश दिए हैं कि अवैध रूप से निवास कर रहे विदेशी नागरिकों, वीज़ा अवधि समाप्त होने के बाद भी ठहरे व्यक्तियों, संदिग्ध बाहरी तत्वों तथा अवैध घुसपैठियों की पहचान कर उनके विरुद्ध विधिसम्मत कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराना और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

किरायेदारों, होम-स्टे व अपार्टमेंट्स पर विशेष फोकस

अभियान के तहत मल्टी स्टोरी

अपार्टमेंट्स, आश्रम, धर्मशालाएं, किराये के मकान, फ्लैट, पीजी, होम-स्टे, होटल एवं गेस्ट हाउस में निवासरत व्यक्तियों का गहन सत्यापन किया जाएगा। प्रॉपर्टी डीलरों, रियल एस्टेट एजेंटों और ब्रोकरों का सत्यापन सुनिश्चित करते हुए उनके माध्यम से कराए गए किरायेदारी अनुबंधों की जांच की जाएगी। बिना पुलिस सत्यापन किरायेदारी कराने या संदिग्ध व्यक्तियों को आश्रय देने वालों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

डिलीवरी एजेंट, इंडस्ट्रियल एरिया और कैब संचालक भी दायरे में

होम डिलीवरी सेवाओं, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से जुड़े डिलीवरी एजेंटों, सिक्योरिटी एजेंसी स्टाफ, कैब संचालकों तथा औद्योगिक क्षेत्रों में कार्यरत ठेकेदारों का विशेष सत्यापन अभियान चलाया जाएगा। Amazon, Zomato और Blinkit जैसी ऑनलाइन सेवाओं से जुड़े कार्मिकों की पहचान एवं सत्यापन प्रक्रिया को प्राथमिकता दी जाएगी।

आधुनिक तकनीक और केंद्रीय डाटाबेस का उपयोग

संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान के लिए आधुनिक तकनीकी संसाधनों एवं केंद्रीय डाटाबेस का उपयोग किया जाएगा। National Intelligence Grid, CCTNS तथा ICJS जैसे पोर्टलों के माध्यम से सूचना मिलान एवं विश्लेषण कर सटीक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। आवश्यकतानुसार अन्य राज्यों और केंद्रीय एजेंसियों से भी समन्वय स्थापित किया जाएगा।

सीसीटीवी जांच और सुरक्षा कर्मियों का चरित्र सत्यापन

प्रदेश के रिहायशी क्षेत्रों, मॉल, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, सर्विस सेंटर, कोचिंग संस्थान, जिम, स्कूल, विश्वविद्यालय, ट्रांसपोर्ट एजेंसियों, ब्यूटी पार्लर एवं सैलून आदि प्रतिष्ठानों में हाई-रिजॉल्यूशन सीसीटीवी कैमरों की उपलब्धता, उनकी कार्यशील स्थिति एवं रिकॉर्डिंग व्यवस्था की जांच की जाएगी। तैनात सुरक्षा कर्मियों का चरित्र सत्यापन कर उन्हें आवश्यक सुरक्षा ब्रीफिंग दी जाएगी।

वरिष्ठ नागरिकों व एकल निवासियों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान

अभियान के तहत क्षेत्रों में निवासरत एकल नागरिकों एवं वरिष्ठ नागरिकों का चिन्हीकरण कर उनकी सुरक्षा व्यवस्था का मूल्यांकन किया जाएगा। उनके घरेलू सहायकों, केयर-टेकर, ड्राइवर एवं अन्य सहयोगी कार्मिकों का अनिवार्य सत्यापन सुनिश्चित किया जाएगा।

संयुक्त मुहिम और जवाबदेही तय

जनपदीय पुलिस के साथ स्थानीय अभिसूचना इकाई (एलआईयू), एसओजी एवं एसटीएफ द्वारा समन्वित रूप से कार्रवाई की जाएगी। प्रत्येक थाना स्तर पर विशेष फील्ड टीमों का गठन किया गया है। सीओ से लेकर आईजी रेंज स्तर तक नियमित समीक्षा और मॉनिटरिंग की व्यवस्था लागू की गई है, जिससे जवाबदेही सुनिश्चित हो सके।

पुलिस महानिदेशक ने कहा कि यह व्यापक अभियान महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और स्थानीय निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। 'पूरे अभियान की मॉनिटरिंग के साथ हर स्तर पर जवाबदेही तय की गई है। आपराधिक तत्वों के साथ सख्ती से निपटा जाएगा,' उन्होंने स्पष्ट किया। उत्तराखंड पुलिस का यह राज्यव्यापी अभियान कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

एक नजर

देहरादून में सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेने ग्राउंड जीरो पर उतरे एसएसपी

धरना-प्रदर्शनों व रैलियों से प्रभावित मार्गों का किया स्थलीय निरीक्षण

पथ प्रवाह, देहरादून। जनपद में विभिन्न मांगों और मुद्दों को लेकर लगातार हो रहे धरना-प्रदर्शनों और रैलियों के मद्देनज़र वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) देहरादून प्रमेंद्र डोबाल ने ग्राउंड जीरो पर उतरकर सुरक्षा व्यवस्थाओं का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उन प्रमुख मार्गों और क्षेत्रों का स्थलीय जायजा लिया, जो प्रदर्शनों और रैलियों के कारण प्रभावित हो सकते हैं। निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने अधीनस्थ अधिकारियों से धरना-प्रदर्शनों के दौरान की जाने वाली सुरक्षा तैयारियों, बैरिकेडिंग व्यवस्था, यातायात डायवर्जन प्लान और भीड़ नियंत्रण उपायों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्थिति में कानून व्यवस्था से समझौता नहीं किया जाएगा।

सुरक्षा के साथ आमजन की सुविधा पर भी फोकस

निरीक्षण के उपरांत एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने अधिकारियों के साथ बैठक कर सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने निर्देशित किया कि धरना-प्रदर्शन एवं रैलियों के दौरान पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए। साथ ही यह भी ध्यान रखा जाए कि आमजन, विशेषकर स्कूली बच्चों और दैनिक यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि यदि किसी मार्ग को अस्थायी रूप से बंद करना आवश्यक हो, तो उसकी सूचना समय से पूर्व व्यापक रूप से प्रचारित और प्रसारित की जाए, ताकि लोग वैकल्पिक मार्गों का उपयोग कर सकें।

यातायात व्यवस्था को लेकर विशेष निर्देश

एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने यातायात पुलिस को निर्देश दिए कि रैलियों के दौरान सुचारु ट्रैफिक संचालन के लिए प्रभावी डायवर्जन प्लान तैयार रखा जाए। प्रमुख चौराहों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाए तथा आपातकालीन सेवाओं के लिए मार्ग खुला रखा जाए।

वरिष्ठ अधिकारियों की रही उपस्थिति

निरीक्षण एवं बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक नगर, पुलिस अधीक्षक यातायात, क्षेत्राधिकारी नगर, डालनवाला एवं यातायात, निरीक्षक डालनवाला, निरीक्षक यातायात सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 का मोदी सोमवार को भारत मंडपम में करेंगे उद्घाटन

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार शाम नयी दिल्ली के भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से रविवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी गयी। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के साथ-साथ 16 से 20 फरवरी तक आयोजित होने वाले इस एक्सपो को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के व्यावहारिक प्रदर्शन के राष्ट्रीय मंच के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। यह एक ऐसा मंच है जहां नीति व्यवहार में बदलती है, नवाचार व्यापक स्तर पर लागू होता है और प्रौद्योगिकी आम लोगों से जुड़ती है।

मसूरी की माल रोड पर अब दौड़ेंगी 54 गोल्फ कार्ट

हर दो रिक्शा चालकों पर एक गोल्फ कार्ट का मॉडल; सीएसआर से 3.36 करोड़ स्वीकृत

पथ प्रवाह, देहरादून

पहाड़ों की रानी मसूरी अब आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था की दिशा में ऐतिहासिक कदम बढ़ाने जा रही है। माल रोड और कैमल्स बैक रोड पर जल्द ही 40 नए गोल्फ कार्ट जुड़ने जा रहे हैं। इसके साथ ही मसूरी में संचालित गोल्फ कार्ट की कुल संख्या 54 हो जाएगी। जिला प्रशासन ने सीएसआर फंड से 3.36 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत कर इस योजना को अंतिम रूप दे दिया है।

जिलाधिकारी सविन बंसल के नेतृत्व में बीते नौ महीनों से चल रही कवायद अब रंग लाई है। प्रशासन ने बिना किसी राजकोषीय व्यय के, भारत सरकार की आरईसी फाउंडेशन लिमिटेड से समन्वय स्थापित कर सीएसआर मद से वित्तीय स्वीकृति प्राप्त की है। बताया गया है कि कई दौर की बैठकों और विस्तृत प्रस्तुतीकरण के बाद यह स्वीकृति मिली।

जाम से राहत और आधुनिक सुविधा का संगम

मसूरी में यातायात का बढ़ता दबाव लंबे समय से चुनौती बना हुआ था। माल रोड पर वाहनों के प्रवेश को नियंत्रित करते हुए जिला प्रशासन ने गोल्फ कार्ट को प्राथमिक परिवहन माध्यम के रूप में विकसित करने की योजना बनाई। दिसंबर 2024 में चार गोल्फ कार्ट के साथ इस सेवा की शुरुआत की गई थी, जो वर्तमान में बढ़कर 14 हो चुकी है। अब 40 नए गोल्फ कार्ट जुड़ने से यह संख्या 54 तक

पहुंच जाएगी। यह पहल न केवल जाम की समस्या से राहत देगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षित यातायात व्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करेगी।

रिक्शा चालकों के हित सुरक्षित, '2 पर 1' मॉडल लागू

जिला प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया है कि पारंपरिक रिक्शा चालकों की आजीविका प्रभावित न हो। इसके लिए '2 रिक्शा चालक पर 1 गोल्फ कार्ट' मॉडल पर सहमति बनी है। सभी रिक्शा चालकों को संबंधित कंपनी के विशेषज्ञों द्वारा विधिवत प्रशिक्षण भी दिया गया है, ताकि वे आधुनिक परिवहन प्रणाली के अनुरूप स्वयं को ढाल सकें। प्रशासन और रिक्शा संचालकों के बीच समन्वय स्थापित कर रोजगार संरक्षण के साथ आय के नए अवसर सृजित किए गए हैं।

सीएसआर फंड से साकार हुआ सपना

जिला प्रशासन ने जिला ग्रामीण विकास एजेंसी (डीआरडीए) के माध्यम से आरईसी फाउंडेशन लिमिटेड के अधिकारियों से संवाद कर प्रस्ताव प्रस्तुत किया था। प्रस्ताव के आधार पर 3.36 करोड़ रुपये की धनराशि सीएसआर फंड से स्वीकृत की गई है। यह राशि गोल्फ कार्ट की खरीद और संचालन व्यवस्था को सुदृढ़ करने में उपयोग की जाएगी।

पर्यटन स्थल के रूप में नई पहचान

मसूरी देश का पहला ऐसा पर्यटन स्थल बनने जा रहा है, जहां व्यापक स्तर पर गोल्फ कार्ट आधारित परिवहन व्यवस्था लागू होगी। इससे स्थानीय नागरिकों और पर्यटकों को सुगम, सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल आवागमन की सुविधा मिलेगी।

अवैध खुदाई में पार्षद की पत्नी समेत अन्य पर 11 लाख की पेनल्टी

पथ प्रवाह, देहरादून

मसूरी में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 707ए (त्यूनी-चकराता-मसूरी-बाटाघाट) पर अवैध खुदाई कर सरकारी संपत्ति को क्षति पहुँचाना संबंधित आरोपियों को भारी पड़ गया। जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए 11.64 लाख रुपये का अर्थदंड लगाया है, साथ ही लगभग 80 लाख रुपये की अतिरिक्त आरसी (राजस्व वसूली) जारी की है। मामले में नामजद एफआईआर दर्ज कराई गई है, जिसमें एक पार्षद की पत्नी का नाम भी शामिल बताया गया है।

राष्ट्रीय राजमार्ग की प्रतिधारक दीवार ध्वस्त, मार्ग बंद

होटल देवलोक के निकट किलोमीटर 162 पर स्थित प्रतिधारक दीवार क्षतिग्रस्त होने की घटना के बाद जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देश पर संयुक्त मजिस्ट्रेट राहुल आनंद के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम ने स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण में नगर पालिका परिषद मसूरी, कोतवाली मसूरी, मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए), राष्ट्रीय राजमार्ग लोक निर्माण विभाग डोईवाला तथा जिला खान अधिकारी की टीम शामिल रही। जांच में पाया गया कि संबंधित संपत्ति 349.50 वर्गमीटर क्षेत्रफल में अनीता थलवाल, सुनीता धनई एवं सतीश गोयल के नाम दर्ज है। एमडीडीए द्वारा आवासीय मानचित्र के तहत 420.66 वर्गमीटर निर्माण की स्वीकृति दी गई थी, जिसमें स्पष्ट दूरी मानक निर्धारित थे।

लेकिन निरीक्षण के दौरान सामने आया कि जेसीबी/एक्सकेवेटर से राष्ट्रीय राजमार्ग की ओर अवैध खनन और खुदाई की गई, जो स्वीकृत मानकों के विपरीत थी। इसके चलते मलबे का भूस्खलन हुआ और राजमार्ग की प्रतिधारक दीवार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। स्थिति को देखते हुए मार्ग को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है। यातायात को मोतीलाल नेहरू मार्ग, हाथीपांव मार्ग और नगर पालिका मार्ग से डायवर्ट किया गया है।

11.64 लाख का अर्थदंड, 80 लाख की अतिरिक्त वसूली

खनन विभाग की जांच में 1522.50 घनमीटर (4384.80 टन) मिट्टी मिश्रित चूना पत्थर का अवैध खनन पाया गया। उत्तराखंड खनिज नियमावली-2021 व संशोधित नियमावली-2024 के तहत रॉयल्टी की तीन गुना दर से 11,64,164 रुपये का अर्थदंड निर्धारित किया गया है। साथ ही राष्ट्रीय राजमार्ग की क्षतिग्रस्त प्रतिधारक दीवार के पुनर्निर्माण व अन्य क्षति की भरपाई के लिए लगभग 80 लाख रुपये की अतिरिक्त आरसी भी संबंधित आरोपियों पर डाली गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि समस्त व्यय की वसूली दोषियों से ही की जाएगी।

एफआईआर दर्ज, चार्जशीट जल्द

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिशासी अभियंता द्वारा संबंधितों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में नामजद प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करा दी गई है। प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि शीघ्र ही चार्जशीट भी न्यायालय में प्रस्तुत की जाएगी।

एमडीडीए को स्वीकृत मानचित्र निरस्त करने तथा अवैध निर्माण के विरुद्ध ध्वस्तीकरण की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

जनसुरक्षा से समझौता नहीं

जिला प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया है कि राष्ट्रीय राजमार्ग एवं सार्वजनिक संपत्ति को क्षति पहुँचाने वालों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। जनसुरक्षा सर्वोपरि है और किसी भी प्रकार की लापरवाही या अवैध कृत्य को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

ऑफिशियल टी-शर्ट का लोकार्पण, 17 से 19 फरवरी तक होगा मिनी जूनियर बैडमिंटन टूर्नामेंट

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा

जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने हेमवती नंदन बहुगुणा इनडोर स्टेडियम में स्वर्गीय सी.एल. सेन मेमोरियल मिनी जूनियर बैडमिंटन टूर्नामेंट की ऑफिशियल टी-शर्ट का विधिवत लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने आयोजन समिति को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं जनपद में खेल संस्कृति को सुदृढ़ करने के साथ-साथ नन्हीं प्रतिभाओं को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का सशक्त मंच प्रदान करती हैं।

जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने कहा कि बाल्यावस्था से ही खेलों में सहभागिता बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। खेल अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना का विकास करते हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन की ओर से खेल

गतिविधियों को प्रोत्साहन देने हेतु हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि उत्तरांचल स्टेट बैडमिंटन संघ के तत्वावधान में सेन सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस सोसाइटी एवं जिला बैडमिंटन संघ अल्मोड़ा द्वारा 17 फरवरी से 19 फरवरी तक उक्त स्टेडियम में मिनी जूनियर बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता अंडर-8, अंडर-9, अंडर-10 एवं अंडर-11 आयु वर्ग के खिलाड़ियों के लिए आयोजित की जा रही है, जिसमें प्रदेश के विभिन्न जनपदों से खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे।

प्रतियोगिता का उद्घाटन 17 फरवरी को सायं 5 बजे कुमाऊँ आयुक्त दीपक रावत एवं जिलाधिकारी अंशुल सिंह द्वारा किया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी रामजीशरण शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

टी-शर्ट लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान उत्तराखंड बैडमिंटन संघ के सचिव बी.एस. मनकोटी, अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन कोच डी.के. सेन, उप जिला क्रीड़ा अधिकारी अरुण बंग्याल तथा टूर्नामेंट आयोजक सचिव गोकुल मेहता सहित अन्य पदाधिकारी एवं खेलप्रेमी उपस्थित रहे। जनपद में आयोजित होने जा रही इस प्रतियोगिता को लेकर खिलाड़ियों एवं अभिभावकों में उत्साह का वातावरण है। आयोजकों ने इसे सफल बनाने के लिए व्यापक तैयारियां पूर्ण कर ली हैं।

एक नजर

सिंचाई विभाग कॉलोनी में हुई चोरी का खुलासा, एक गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। रुड़की स्थित सिंचाई विभाग की कालोनी में दिनदहाड़े हुई चोरी की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने चोरी की घटना में संलिप्त आरोपी को चोरी के माल के साथ गिरफ्तार किया है। दिनदहाड़े हुई चोरी की इस घटना में आभूषणों पर हाथ साफ किया था। पुलिस के मुताबिक बीती 07 फरवरी को डोडी चौहान पुत्र बलबीर सिंह निवासी सिंचाई विभाग कालोनी कोतवाली गंगनहर ने मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि 6 फरवरी को दिन में ही अज्ञात चोरों ने घर में घुसकर अलमारी से सोने तथा चांदी के जेवरात चोरी कर लिए हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी थी। प्रकरण की गम्भीरता को देखते हुये जल्द खुलासे के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार द्वारा दिये गये दिशा निर्देश के क्रम में गठित पुलिस टीम द्वारा भौतिक साक्ष्य इकट्ठा कर कड़ी मशक्कत के बाद संदिग्ध शुभम को दबोचने में कामयाबी मिली। मैनुयल पुलिसिंग, सर्विलांस तथा मुखबिर तन्त्र के सहयोग से पुलिस टीम ने जांच के दौरान प्रकाश में एक आरोपी को उसके घर मिलापनगर रूडकी से पकड़कर चुराए गए गहने बरामद किए। आरोपी के खिलाफ विधिक कार्यवाही की जा रही है।

एआई इम्पैक्ट समिट के चलते सुप्रीम कोर्ट 16 से 20 तक हाइब्रिड मोड में करेगा कार्यवाही

नई दिल्ली। राजधानी में आयोजित होने वाले एआई इम्पैक्ट समिट के मद्देनजर संभावित ट्रैफिक दबाव को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 16 से 20 फरवरी तक अदालत की कार्यवाही हाइब्रिड मोड में संचालित करने का फैसला लिया है। इस दौरान वकीलों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए वर्चुअल रूप से पेश होने का विकल्प दिया है। शनिवार को जारी एक आधिकारिक सर्कुलर में बताया गया कि 16 से 20 फरवरी के बीच सुप्रीम कोर्ट की सभी बेंच हाइब्रिड मोड में कार्य करेंगी। बता दें इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से अदालत को अनुरोध भेजा गया था। एसोसिएशन ने आशंका जताई थी कि समिट के दौरान सुरक्षा और यातायात प्रतिबंधों के कारण वकीलों और पक्षकारों को कोर्ट पहुंचने में कठिनाई हो सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने सर्कुलर में स्पष्ट किया है कि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेशी पूरी तरह वैकल्पिक होगी। वकील चाहें तो भौतिक रूप से कोर्ट में उपस्थित हो सकते हैं, जबकि जरुरत पड़ने पर वर्चुअल तरीके का इस्तेमाल भी कर सकेंगे। कोर्ट ने कहा कि इस व्यवस्था से वकीलों और मुकदमेबाजों को आने-जाने में होने वाली असुविधा से राहत मिलेगी। बता दें एआई समिट के दौरान देश-विदेश के अनेक शीर्ष नेता, तकनीकी विशेषज्ञ और कॉर्पोरेट प्रतिनिधि भारत मंडपम में एकत्र होंगे, जिसके चलते राजधानी के मध्य क्षेत्र में यातायात व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का यह कदम न्यायिक कार्यवाही को सुचारु बनाए रखने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

नकली आरटीओ ई-चालान एपीके से बैंक खाते साफ! सूरत में जामताड़ा गैंग के तीन सदस्य गिरफ्तार

सूरत। आज के डिजिटल युग में साइबर अपराधी नई-नई मॉडस ऑपरेंडी अपनाकर लोगों को निशाना बना रहे हैं। गुजरात के सूरत में साइबर क्राइम सेल ने कुख्यात जामताड़ा से जुड़े गैंग के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह लोगों के मोबाइल पर फर्जी आरटीओ ई-चालान की एपीके फाइल भेजकर उनके बैंक खाते खाली कर रहा था। जांच में सामने आया है कि आरोपी व्हाट्सएप पर 'डिजिटल आरटीओ ई-चालान.एपीके' नाम की फाइल भेजते थे। जैसे ही कोई यूजर इस फाइल को डाउनलोड करता, उसका मोबाइल हैक हो जाता। यह मालवेयर मोबाइल के मैसेज, कॉन्टैक्ट और गैलरी की परमिशन हासिल कर लेता था, जिससे ठग सीधे ओटीपी पढ़ लेते और बैंक खातों से रकम निकाल लेते थे। एक मामले में शिकायतकर्ता के बेटे ने जैसे ही यह फाइल डाउनलोड की, उसके खाते से टुकड़ों में कुल 5 लाख 02 हजार 562 रुपये निकाल लिए गए।

टपकेश्वर मंदिर में महाशिवरात्रि पर उमड़ा जनसैलाब

एसएसपी ने मौके पर पहुंचकर लिया सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा

पथ प्रवाह, देहरादून

महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर टपकेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) देहरादून प्रमेंद्र डोबाल ने स्वयं मंदिर परिसर पहुंचे और सुरक्षा व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया।

पर्व के चलते सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान टपकेश्वर महादेव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए मंदिर पहुंचे। भीड़ को सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित रखने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा व्यापक प्रबंध किए गए थे। एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने मौके पर तैनात अधिकारियों से सुरक्षा इंतजामों, बैरिकेडिंग व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण योजना और यातायात प्रबंधन की विस्तृत जानकारी ली।

ड्यूटी पर तैनात कर्मियों को दिए सख्त निर्देश

निरीक्षण के दौरान एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने ड्यूटी में तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पूर्ण सजगता और सतर्कता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विशेष रूप से महिला श्रद्धालुओं, वरिष्ठ नागरिकों और

बच्चों की सुविधा का ध्यान रखने, आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा भीड़ के दबाव को नियंत्रित रखने के निर्देश भी दिए गए।

महादेव का किया जलाभिषेक, मंदिर समिति से की वार्ता

भ्रमण के दौरान एसएसपी ने टपकेश्वर महादेव में विधिवत जलाभिषेक कर प्रदेश एवं जनपद की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके पश्चात उन्होंने मंदिर समिति के पदाधिकारियों से मुलाकात कर सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में चर्चा की। मंदिर समिति ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुव्यवस्थित दर्शन व्यवस्था के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा किए गए इंतजामों की सराहना की। महाशिवरात्रि जैसे महत्वपूर्ण पर्व पर पुलिस प्रशासन की सक्रियता और सतर्कता को श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

साबरमती रेलवे स्टेशन बनेगा विश्वस्तरीय हब, 65 फीट ऊंचा हाई-रूफ आकार ले रहा

अहमदाबाद। भारतीय रेल द्वारा यात्री सुविधाओं के उन्नयन एवं आधुनिक अवसंरचना विकास की दिशा में साबरमती स्टेशन का पुनर्विकास कार्य तीव्र गति से प्रगति पर है। इस पुनर्विकास परियोजना के अंतर्गत स्टेशन पर ट्रैकों के ऊपर विशाल हाई-रूफ एवं कॉन्कोर्स का निर्माण किया जा रहा है, जिससे स्टेशन को आधुनिक स्वरूप देने के साथ-साथ यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। 15 फरवरी 2026 को मंडल रेल प्रबंधक श्री वेद प्रकाश ने स्टेशन पर तीव्र गति से चल रहे पुनर्विकास कार्यों का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्लेटफॉर्म संख्या 4/5 एवं 2/3 के ऊपर हाई-रूफ निर्माण के लिए लॉन्च किए गए 28 मीटर लंबे ट्रस का अवलोकन किया।

निर्माणाधीन हाई-रूफ का प्लेटफॉर्म संख्या 4 से 7 के बीच ट्रस लॉन्चिंग का कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि शेष भाग में कार्य प्रगति पर है। जिसका प्लेटफॉर्म संख्या 7 से प्लेटफॉर्म संख्या 1 तक तथा आगमन फुटओवर ब्रिज से सर्कुलेटिंग एरिया तक विस्तार होगा। कॉन्कोर्स क्षेत्र में विशाल प्रतीक्षालय (वेटिंग हॉल) एवं फूड प्लाजा जैसी आधुनिक सुविधाए भी होगी, जिससे यात्रियों को बेहतर आराम एवं खानपान की सुविधा प्राप्त होगी। कॉन्कोर्स का क्षेत्रफल लगभग 110म36 वर्गमीटर होगा। वहीं हाई-रूफ का आकार 122म171 मीटर तथा 88म110 मीटर होगा, जिससे कुल लगभग 30,542 वर्गमीटर क्षेत्र ट्रैकों के ऊपर कवर होगा। यह छत प्लेटफॉर्म से लगभग 65 फीट की ऊंचाई पर स्थापित की जा रही है।

इसी क्रम में 28म4.25म3.25 मीटर आकार एवं लगभग 26 टन वजनी एक विशाल ट्रस को 65 फीट की ऊंचाई पर 810 टन क्षमता वाली क्रेन की सहायता से सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया। कार्यस्थल की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद यह कार्य 8 घंटे के मेगा ब्लॉक के दौरान सुरक्षित एवं सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। स्टेशन पुनर्विकास योजना के अंतर्गत यात्रियों की सुगमता हेतु 20 लिफ्ट, 20 एस्केलेटर तथा 20 सीढ़ियों का प्रावधान किया जा रहा है। इन आधुनिक सुविधाओं से यात्रियों की आवाजाही सुगम होगी तथा स्टेशन पर भीड़ प्रबंधन में भी सहायता मिलेगी।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद बोले- जो हत्या करना चाह रहे उनसे सुरक्षा कैसे मांगें

वाराणसी। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने हाल ही में अपने एक बयान कहा कि उनकी सुरक्षा के लिए उन लोगों से मदद मांगना मुश्किल है, जो उनकी हत्या करना चाहते हैं। शंकराचार्य ने यह प्रतिक्रिया जगद्गुरु रामभद्राचार्य के शिष्य और शाकुंभरी पीठाधीश्वर आशुतोष ब्रह्मचारी द्वारा उनके खिलाफ दायर यौन उत्पीड़न के आरोपों के संदर्भ में दी है।

गौरतलब है कि आशुतोष ने शंकराचार्य पर दो शिष्यों के यौन शोषण का आरोप लगाया है। इस मामले की सुनवाई के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रखा है और 21 फरवरी को तय होगा कि शंकराचार्य के खिलाफ एफआईआर होगी या केस डिसमिस कर दिया जाएगा। यहां शंकराचार्य ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा, कि आरोप लगाने वाला व्यक्ति खुद आपराधिक इतिहास वाला है। उनके अनुसार, आशुतोष गो-तस्करी और गोहत्या से जुड़े लोगों के संपर्क में रहा है और उस पर ट्रकों को पार कराने के लिए रिश्वत लेने जैसे गंभीर आरोप भी लगे हैं। शंकराचार्य ने कहा कि इस तरह के व्यक्ति द्वारा आरोप लगाना अपने आप में बहुत कुछ कहता है।

उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ अभियान इसलिए चल रहा है क्योंकि वे गोरक्षा की बात करते हैं और गोहत्या बंद करने का नारा उठाते हैं। शंकराचार्य ने यह भी स्पष्ट किया कि उनके खिलाफ होने वाले हमले विचारधारा से प्रेरित हैं, क्योंकि जो लोग गोहत्या में शामिल हैं, वे विरोध करेंगे।

उनका कहना है, जब आप गोमाता की रक्षा की बात करेंगे, तो स्वाभाविक है कि गोहत्या से जुड़े तत्व सक्रिय होंगे। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है।

देहरादून में 'फिट इंडिया संडेज़ ऑन साइकिल' का 61वां संस्करण उत्साहपूर्वक सम्पन्न

ओलंपियन व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की प्रेरक भागीदारी, 1000 से अधिक साइकिल चालकों ने लिया हिस्सा

पथ प्रवाह, देहरादून

देहरादून के ऐतिहासिक परेड ग्राउंड में रविवार को 'फिट इंडिया संडेज़ ऑन साइकिल' के 61वें संस्करण का भव्य एवं उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। उत्तराखंड की धुंधली पहाड़ियों, सर्दियों की सुनहरी धूप और साल वृक्षों से घिरे प्राकृतिक परिवेश के बीच आयोजित इस कार्यक्रम ने फिटनेस, सामुदायिक सहभागिता और पर्यावरण जागरूकता का सशक्त संदेश दिया।

कार्यक्रम का आयोजन स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया तथा युवा एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से किया गया। इस आयोजन में 1000 से अधिक साइकिल चालकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों में स्कूली छात्र-छात्राएं, युवा, पेशेवर, वरिष्ठ नागरिक एवं फिटनेस प्रेमी शामिल रहे। पूरा परेड ग्राउंड ऊर्जा, संगीत और जोश से सराबोर रहा तथा दून घाटी एक जीवंत फिटनेस उत्सव में परिवर्तित हो गई।

कार्यक्रम में कई प्रतिष्ठित खिलाड़ियों और फिटनेस आइकनों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इनमें भारतीय बॉक्सिंग की उभरती हेवीवेट खिलाड़ी नूपुर श्योराण, पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी गोलकीपर एवं कोच योगिता बाली, ओलंपियन रेस वॉकर मनीष सिंह रावत,

अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित बास्केटबॉल खिलाड़ी विशेष भृगुवंशी तथा तेनजिंग नोर्गे नेशनल एडवेंचर अवॉर्ड से सम्मानित पर्वतारोही ताशी मलिक शामिल रहे। खिलाड़ियों ने प्रतिभागियों के साथ संवाद कर नियमित व्यायाम, अनुशासन और सकारात्मक जीवनशैली के महत्व पर बल दिया।

इस अवसर पर उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि 'चाहे व्यक्ति खिलाड़ी हो या नहीं, उसमें खेल भावना अवश्य होनी चाहिए। यही भावना जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता दिलाती है।' उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अनुशासित कार्यशैली से प्रेरणा लें, जिन्होंने फिटनेस और अनुशासन को जीवन का अभिन्न अंग बनाया है।

'फिट इंडिया संडेज़ ऑन साइकिल' पहल की शुरुआत दिसंबर 2024 में केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया द्वारा की गई थी, जो आज एक व्यापक जनआंदोलन का स्वरूप ले चुकी है। देशभर में अब तक 2.5 लाख से अधिक स्थानों पर लगभग 25 लाख नागरिक इस अभियान से जुड़ चुके हैं। यह पहल #FightObesity और #PollutionKaSolution जैसे महत्वपूर्ण विषयों को संबोधित करते हुए नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा कार्बन फुटप्रिंट कम करने के लिए प्रेरित करती है।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने साइकिलिंग के साथ योग सत्र, वार्म-अप ड्रिल और सामुदायिक संवाद में भी भाग लिया, जिससे यह आयोजन एक समग्र स्वास्थ्य उत्सव के रूप में स्थापित हुआ। स्थानीय नागरिकों ने इसे केवल व्यायाम नहीं, बल्कि सामुदायिक जुड़ाव और प्रेरणा का सशक्त माध्यम बताया।

उल्लेखनीय है कि फिट इंडिया मूवमेंट की शुरुआत 29 अगस्त 2019 को देशवासियों को दैनिक जीवन में फिटनेस अपनाने के उद्देश्य से की गई थी। इसका लक्ष्य व्यवहार परिवर्तन के माध्यम से नागरिकों को अधिक सक्रिय, स्वस्थ और जागरूक जीवनशैली की ओर प्रेरित करना है।

एक नजर

लोकसभा में डिप्टी स्पीकर का पद 7 साल से खाली, कांग्रेस सांसद ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में लोकसभा डिप्टी स्पीकर का पद सात साल से खाली रहने पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक प्रक्रियात्मक चूक नहीं, बल्कि संसदीय लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ किया जा रहा कार्य है। सांसद टैगोर ने संविधान के अनुच्छेद 93 का हवाला देते हुए कहा कि सदन को एक स्पीकर और एक डिप्टी स्पीकर का चुनाव करना अनिवार्य है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इसमें 'शेल' शब्द का प्रयोग किया गया है, जो बाध्यता दर्शाता है, न कि विकल्प। इसी के साथ ही कांग्रेस सांसद ने कहा कि संसदीय परंपरा के अनुसार डिप्टी स्पीकर का पद आमतौर पर विपक्ष को दिया जाता है, ताकि सदन की कार्यवाही में संतुलन, निष्पक्षता और लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान सुनिश्चित हो सके। उन्होंने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के संदर्भ में भी सवाल उठाए। टैगोर ने आरोप लगाया कि सरकार ने जानबूझकर डिप्टी स्पीकर का पद खाली रखा है। उनका कहना था, जब स्पीकर के खिलाफ नो-कॉन्फिडेंस मोशन लाया गया है, तब डिप्टी स्पीकर का न होना इस खालीपन को और स्पष्ट करता है। क्या यह जवाबदेही से बचने का प्रयास है?

सांसद टैगोर ने कहा कि विपक्ष को उसकी संवैधानिक और परंपरागत भूमिका से दूर रखना लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि लोकतंत्र किसी एक व्यक्ति या पार्टी के बारे में नहीं, बल्कि संविधान के सम्मान के बारे में है।

तारिक रहमान के शपथग्रहण में पीएम मोदी नहीं, ओम बिरला होंगे शामिल

नई दिल्ली। बांग्लादेश में हुए आम चुनावों में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने 12 फरवरी 2026 को आयोजित चुनाव में 300 में से 212 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल किया है। इसके साथ ही पार्टी अध्यक्ष तारिक रहमान देश के नए प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल नहीं होंगे। भारत की ओर से इस कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला प्रतिनिधित्व करेंगे।

यह समारोह 17 फरवरी को ढाका में आयोजित होगा। भारत और बांग्लादेश के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संबंध लंबे समय से मजबूत रहे हैं। भारत ने बांग्लादेश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत चुनी गई नई सरकार का स्वागत किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने तारिक रहमान को फोन कर जीत की बधाई भी दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि ओम बिरला की भागीदारी दोनों देशों के बीच निरंतर सहयोग और संवाद का संकेत है। इसे भारत की ओर से पड़ोसी देशों के साथ लोकतांत्रिक मूल्यों और पारस्परिक सम्मान पर आधारित संबंधों को प्राथमिकता देने के रूप में देखा जा रहा है। नई सरकार से क्षेत्रीय स्थिरता और विकास में सकारात्मक भूमिका निभाने की उम्मीद जताई जा रही है।

बंगलादेश में नयी सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे ओम बिरला

नयी दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला मंगलवार को ढाका में बंगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी के प्रमुख तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बंगलादेश की नव निर्वाचित सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे । विदेश मंत्रालय ने रविवार को एक वक्तव्य जारी कर यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा है कि इस महत्वपूर्ण अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष की उपस्थिति भारत और बंगलादेश के लोगों के बीच गहरी और पक्की मित्रता को दिखाती है। यह दोनों देशों को जोड़ने वाले लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति भारत की दृढ़ वचनबद्धता को भी बताता है।

आईपीएस जितेंद्र कुमार मेहरा ने संभाली बागेश्वर पुलिस की कमान, गिनाईं प्राथमिकताएं

पथ प्रवाह, बागेश्वर।

जनपद के नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार मेहरा ने पदभार ग्रहण करने के बाद अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट रूप से सामने रखा। उन्होंने कहा कि बागेश्वर में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाना उनकी सर्वोच्च जिम्मेदारी होगी। पदभार संभालने से पूर्व उन्होंने आस्था के केंद्र बागनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया और तत्पश्चात गार्द सलामी के साथ अपनी नई जिम्मेदारी की शुरुआत की।

अवैध नशे के कारोबार पर कड़ा प्रहार

एसपी जितेंद्र मेहरा ने कहा कि जनपद में

अवैध नशे के कारोबार पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। नशा तस्करों और उनके नेटवर्क को चिन्हित कर कठोर कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने साइबर फ्रॉड के मामलों को गंभीरता से लेते हुए जागरूकता अभियान और त्वरित कार्रवाई की बात कही, ताकि आमजन की मेहनत की कमाई सुरक्षित रह सके। यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने और सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए विशेष अभियान चलाए जाएंगे। मेहरा ने 'बीट पुलिसिंग' को मजबूत करने और पुलिस-जन संवाद बढ़ाने पर बल दिया। साथ ही अराजक तत्वों के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाने की बात दोहराई। उन्होंने कहा कि पुलिस टीम पूरी सजगता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी, ताकि जनपद में शांति और सुरक्षा का माहौल और अधिक मजबूत हो सके।

डीएम मयूर दीक्षित के निर्देशों पर अवैध खनन पर छापेमारी, तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

पथ प्रवाह, हरिद्वार

जनपद में अवैध खनन के खिलाफ जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशों पर खनन विभाग द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत रामपुर रामघाटी क्षेत्र में छापेमारी कर अवैध खनन में संलिप्त तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली एवं एक 4म4 लोडर वाहन को मौके से पकड़ा गया।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जनपद में किसी भी स्थिति में अवैध खनन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके लिए सभी उपजिलाधिकारियों एवं खनन विभाग को अपने-अपने क्षेत्रों में सतत निगरानी और नियमित छापेमारी करने को कहा गया है।

जिला खनन अधिकारी ने बताया कि सायंकाल सूचना प्राप्त हुई थी कि रामपुर रामघाटी क्षेत्र में अवैध खनन किया जा रहा है।

सूचना का तत्काल संज्ञान लेते हुए विभागीय टीम मौके पर पहुंची और छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान दो ट्रैक्टर-ट्रॉली और एक 4म4 लोडर अवैध खनन करते हुए पाए गए। बाद में एक अन्य ट्रैक्टर-ट्रॉली को भी जब्त किया गया। जब्त वाहनों को अग्रिम विधिक कार्रवाई हेतु चौकी भीकमपुर के सुपुर्द कर दिया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन में संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

जयपुर एयरपोर्ट में महिला पैसेंजर पर कुत्ते ने किया हमला, लहु-लुहान हुआ पैर

दिल्ली से आई महिला यात्री के साथ टर्मिनल-2 से निकलते वक्त हुआ हादसा, एयरपोर्ट प्रशासन ने पहुंचाया अस्पताल

जयपुर। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 पर रविवार दोपहर करीब 2:20 बजे एक महिला पैसेंजर पर कुत्ते ने हमला कर दिया। महिला के पैर से खून बहने लगा, लेकिन पास मौजूद लोगों और एयरपोर्ट प्रशासन की मदद से उसे तुरंत प्राथमिक उपचार के लिए पास के प्राइवेट हॉस्पिटल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने महिला का इलाज कर उसे छुट्टी दे दी, और फिलहाल उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। एयरपोर्ट प्रबंधन ने बताया कि महिला दिल्ली से जयपुर आई थी और अराइवल एरिया के गेट के पास बाहर निकल रही थी, तभी कुत्ते ने हमला कर दिया। कुत्ते का वैक्सीनेशन पहले ही हो चुका था, इसलिए किसी गंभीर संक्रमण का खतरा नहीं है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुत्ते ने अचानक महिला पर हमला किया। यह पहला मामला नहीं है जब जयपुर एयरपोर्ट पर कुत्तों ने पैसेंजर्स पर हमला किया। इससे पहले भी कई बार ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं। सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के अनुसार आवारा कुत्तों को पकड़कर नसबंदी के बाद उसी स्थान पर छोड़ना चाहिए। एयरपोर्ट प्रबंधन ने फेंसिंग का काम शुरू किया है और परिसर में मौजूद कुत्तों का टीकाकरण भी करवाया जा रहा है, लेकिन हाई-सिक्योरिटी एरिया में कुत्तों की मौजूदगी सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने वनखंडी महादेव मंदिर, में महाशिवरात्रि मेले का किया शुभारंभ

शिवलिंग पर जलाभिषेक कर प्रदेश की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना

पथ प्रवाह, खटीमा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खटीमा क्षेत्र के चकरपुर स्थित वनखंडी महादेव मंदिर में आयोजित महाशिवरात्रि मेले का फीता काटकर विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों एवं उपस्थित श्रद्धालुओं को महाशिवरात्रि की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने मंदिर परिसर में भगवान शिव के शिवलिंग पर जलाभिषेक कर विधिवत पूजा-अर्चना की तथा प्रदेश की सुख-शांति, समृद्धि और निरंतर प्रगति की कामना की। उन्होंने कहा कि वनखंडी महादेव मंदिर आस्था का प्रमुख केंद्र है, जहां वर्षभर बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन हेतु पहुंचते हैं। विशेष रूप से महाशिवरात्रि के अवसर पर यहां विशाल मेला आयोजित होता है, जो क्षेत्र की सांस्कृतिक एवं धार्मिक परंपराओं का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या

को देखते हुए मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्र के समुचित विकास के लिए कार्ययोजना तैयार की जाएगी, ताकि दर्शनार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें और क्षेत्र को धार्मिक पर्यटन के रूप में भी विकसित किया जा सके। कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, नगर पालिका अध्यक्ष रमेश जोशी, गंभीर सिंह धामी, गोपाल सिंह बिष्ट, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति सहित मंदिर समिति के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि पर आस्था का जनसैलाब, शिवालयों में गूंजे 'हर-हर महादेव' के जयकारे

पथ प्रवाह, हरिद्वार। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर धर्मनगरी हरिद्वार में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। तड़के सुबह से ही श्रद्धालु गंगा घाटों पर स्नान कर शिवालयों की ओर प्रस्थान करते नजर आए। प्रमुख मंदिरों में भगवान शिव के जलाभिषेक एवं रुद्राभिषेक के लिए लंबी कतारें लगी रहीं और पूरा वातावरण 'हर-हर महादेव' के उद्घोष से गूंजायमान रहा।

पर्व के अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर के निर्देश पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुव्यवस्थित दर्शन व्यवस्था के लिए व्यापक पुलिस प्रबंध किए गए। मंदिर परिसरों, गंगा घाटों तथा संवेदनशील स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा। विशेष रूप से दक्ष प्रजापति मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। मंदिर के परमाध्यक्ष रवींद्र पुरी महाराज ने बताया कि लगभग तीन सौ वर्षों बाद ऐसा अद्भुत संयोग बना है, जब सभी ग्रह कुंभ राशि में विराजमान बताए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे दुर्लभ योग में भगवान शिव की पूजा-

अर्चना, विशेषकर उस पावन स्थल पर जो माता सती की जन्मस्थली और भगवान शिव की ससुराल के रूप में विख्यात है, अत्यंत फलदायी मानी जाती है। इस अवसर पर जलाभिषेक और रुद्राभिषेक करने से साधकों को विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। हरिद्वार के विभिन्न शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं द्वारा विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। पुलिस प्रशासन द्वारा भीड़ प्रबंधन, यातायात नियंत्रण और कतारबद्ध दर्शन व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए। लाउडस्पीकर के माध्यम से समय-समय पर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रसारित कर श्रद्धालुओं से सहयोग की अपील की गई। गंगा घाटों पर भी सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे। स्नान के दौरान गोताखोरों एवं जल पुलिस की टीमों को तैनात रखा गया, ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटा जा सके। दर्शन उपरांत श्रद्धालुओं को सुरक्षित रूप से उनके गंतव्य तक रवाना किया गया।महाशिवरात्रि का पर्व श्रद्धा, भक्ति और अनुशासन के वातावरण में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ, जिसमें प्रशासन और श्रद्धालुओं के आपसी सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एक नजर

ममता बनर्जी ने तारिक भाई को भेजा फूल और मिठाइयां, रमजान की अग्रिम मुबारकबाद

कोलकाता। बांग्लादेश की राजनीति में बड़े बदलाव के तौर पर तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने 13वें संसदीय चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। पार्टी को दो-तिहाई बहुमत मिलने के बाद तारिक रहमान 17 फरवरी को प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने जा रहे हैं। उनके शपथ ग्रहण समारोह के लिए विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्षों को निमंत्रण भेजे जा रहे हैं। इसी बीच पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भाई रहमान को वधाई देने के साथ ही फूलों का गुलदस्ता और मिठाइयां भेजकर अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। तारिक रहमान को मिली शानदार जीत के बाद पड़ोसी भारत समेत अनेक देशों ने उन्हें बधाई प्रेषित की है। यहां पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तारिक रहमान को फूलों का गुलदस्ता और मिठाइयाँ भेजकर अपनी शुभकामनाएँ दी हैं। बीएनपी चेयरमैन के राजनीतिक कार्यालय की ओर से जारी बयान में बताया गया, कि शनिवार को गुलशन स्थित कार्यालय में बीएनपी मीडिया सेल सदस्य अतिउर रहमान रुमन ने सीएम ममता बनर्जी की ओर से भेजे गए उपहार को प्राप्त किया।

इससे एक दिन पहले ही ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर तारिक रहमान को 'तारिक भाई' संबोधित करते हुए चुनावी जीत की बधाई दी थी। उन्होंने अपने संदेश में बांग्लादेश की जनता को शुभकामनाएँ देते हुए अग्रिम रमजान की मुबारकबाद भी दी। ममता बनर्जी ने लिखा कि यह जीत लोकतांत्रिक मूल्यों की जीत है और इससे क्षेत्रीय सहयोग को नई दिशा मिलेगी।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ममता बनर्जी का यह कदम केवल औपचारिक बधाई नहीं, बल्कि भारत और बांग्लादेश के बीच सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और भौगोलिक रिश्तों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक सकारात्मक संकेत है। पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के बीच लंबे समय से सामाजिक और सांस्कृतिक जुड़ाव रहा है, ऐसे में यह पहल द्विपक्षीय संबंधों में नई गर्माहट ला सकती है।

गौरतलब है कि तारिक रहमान दिसंबर 2025 में 17 वर्षों के निर्वासन के बाद लंदन से स्वदेश लौटे थे। उनकी वापसी और अब चुनावी विजय को उनके राजनीतिक जीवन का बड़ा उलटफेर माना जा रहा है। चुनाव परिणामों के बाद अंतरिम सरकार के प्रमुख और नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस समेत कई अंतरराष्ट्रीय नेताओं ने भी उन्हें बधाई दी है। अब सबकी नजरें 17 फरवरी को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह पर टिकी हैं, जिसे बांग्लादेश की राजनीति में नए अध्याय की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है।

नवोदय नगर वार्ड-13 में बहुप्रतीक्षित मुख्य सड़क का लोकार्पण

शिवालिक गंगा विहार फेस-2 को मिली नई सौगात, क्षेत्रवासियों में उत्साह

पथ प्रवाह, शिवालिक नगर। नगर पालिका परिषद शिवालिक नगर के अंतर्गत नवोदय नगर वार्ड-13 स्थित शिवालिक गंगा विहार फेस-2 में लंबे समय से प्रतीक्षित मुख्य सड़क निर्माण कार्य पूर्ण होने पर नगर पालिका अध्यक्ष राजीव शर्मा ने विधिवत फीता काटकर सड़क का लोकार्पण किया और इसे क्षेत्रवासियों को समर्पित किया।

मुख्य सड़क के निर्माण से क्षेत्र में हर्ष का माहौल देखने को मिला। स्थानीय नागरिकों ने वर्षों से चली आ रही समस्या के समाधान पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष का आभार जताया।

लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए अध्यक्ष राजीव शर्मा ने कहा कि शिवालिक गंगा विहार फेस-2 की यह मुख्य सड़क लंबे समय से जर्जर अवस्था में थी। गड्ढों, जलभराव और कीचड़ के कारण लोगों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। विशेषकर बरसात के दिनों में दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती थी। क्षेत्रवासियों की मांग को प्राथमिकता देते हुए सड़क निर्माण कार्य की स्वीकृति प्रदान की गई और गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्य को शीघ्र पूरा कराया गया।

उन्होंने कहा कि इस सड़क के निर्माण से न केवल आवागमन सुगम और सुरक्षित होगा, बल्कि क्षेत्र के सौंदर्यीकरण को भी नई दिशा मिलेगी। बेहतर सड़क सुविधा से स्थानीय व्यापार, विद्यार्थियों की आवाजाही तथा दैनिक गतिविधियों को मजबूती प्राप्त होगी। अध्यक्ष ने

स्पष्ट किया कि नगर क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में सड़क, नाली, प्रकाश व्यवस्था एवं स्वच्छता जैसी आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करना परिषद की प्राथमिकता है। 'जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना हमारा दायित्व है। विकास कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा,' उन्होंने कहा।

कार्यक्रम के अंत में क्षेत्रवासियों ने विकास कार्यों के लिए नगर पालिका अध्यक्ष का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर सभासद दीपक नौटियाल, मंडल अध्यक्ष कैलाश भंडारी, देवेंद्र शर्मा, वतन वर्मा, नितू चौधरी, पंकज चौहान, देव विख्यात भाटी, दीपा सिंह राजपूत, बागेश्वरी बग्गा, बिना कोटनाला, श्वेता सिंह, रविन्द्र उनियाल, भानु प्रताप सिंह, प्रदीप चंदेल, वेदांत चौहान, संचित डागर, रवि वर्मा, आदित्य मलिक, नीरज प्रेमी, मनोज मिश्रा, मुकेश रावत, रोशन खान, संदीप मैठाणी, अभिषेक शर्मा, पवन, ममता, शुकपा, आलोक शर्मा, संजीव तिवारी, बृजेश तिवारी, बिंदर पाल, नीतू पाल, दिव्यांशु तिवारी, अभिष्ट शर्मा, नवीन शर्मा, राहुल पाल, पुनीत पाल, संदीप पाल, रकीब, तौकीर, नवाब, अनिल शर्मा, संदीप कालिया, जयदीप भारद्वाज, ममता सैंगर सहित पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी उपस्थित रहे।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com